दैनिक

# पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 325 | ग्वालियर,मंगलवार 06 अगस्त 2024 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए


## तख्तापलट होते ही बांग्लादेश में मारे जाने लगे हिंदू, बीजेपी नेता ने दावा कर असदुद्दीन ओवैसी पर साधा निशाना

**नई दिल्ली।** पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश में हुए तख्तापलट को लेकर भारत में राजनीति गरमा चुकी है. बीजेपी नेता अजय आलोक ने इसे लेकर भारत में धर्मांतरण पे सख्त कानून की वकालत करते हुए कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी और एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी पर निशाना साधा. बीजेपी नेता ने एक्स पर पोस्ट कर दावा किया, बांग्लादेश में इस्लामिक तख्तापलट होते ही हिंदुओ को मारा जाने लगा, घर में घुसे प्रदर्शनकारी . अगर हम नहीं चेते तो 20-30 साल बाद ये दृश्य भारत के राज्यो में भी हो सकता है, जनसंख्या नियंत्रण कानून जरूरी हैं, धर्मांतरण पे और सख्त कानून चाहिए. अब हमारे पूर्व और पश्चिम में इस्लामिक आतंकवाद बिना रोक टोक रहेगा. बीजेपी नेता अजय आलोक ने कहा, फिलिस्तीन के मुसलमानों पे खुलके दर्द छलकाने वाली प्रियंका गांधी और असदुद्दीन ओवैसी अब बांग्लादेश के हिंदुओ पे मौन व्रत धारण कर लेंगे. एक भी मुसलमान नेता या मौलवी अपील नहीं करेगा कि हिंदुओ को मत मारो. ये बात देश को समझना पड़ेगा. बांग्लादेश में शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद आर्मी ने सारी बागडोर अपने हाथों में ले ली. इसे लेकर भारत के कई नेताओं ने बयान दिया है. टीएमसी चीफ ममता बनर्जी ने सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने की अपील की तो वहीं आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने कहा कि बांग्लादेश के घटनाक्रम से भारत को अलर्ट रहना चाहिए क्यूंकि इसका असर भारत पर भी पड़ेगा.

## सलमान खान के घर फायरिंग करने वाले शूटर विक्की गुप्ता ने दखिल की जमानत याचिका

एक्टर सलमान खान फायरिंग मामले में सोमवार (05 अगस्त) को मुंबई सेशन कोर्ट में सुनवाई हुई. इस मामले में आरोपी विक्की गुप्ता ने जमानत याचिका दायर की है. मुंबई सेशन कोर्ट में अपने वकीलों के जरिए शूटर विक्की गुप्ता ने याचिका दायर की है. सोमवार (05 अगस्त) को मुंबई सेशन कोर्ट में हुई सुनवाई के बाद कोर्ट ने मुंबई क्राइम ब्रांच से अपना जवाब दाखिल करने को कहा. बता दें कि सलमान खान फायरिंग मामले में अगली सुनवाई 13 अगस्त को होगी. अहम ये है कि सलमान खान के घर पर फायरिंग के बाद से ही पुलिस एक्शन मोड में है. इसी साल अप्रैल महीने में गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गैंग के दो लोगों ने सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग की. मुंबई क्राइम ब्रांच की चार्जशीट में ये खुलासा हुआ कि गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई ने एक्टर सलमान खान को मारने के लिए छह गुर्गों को 20 लाख रुपये की सुपारी दी थी. पुलिस की चार्जशीट में भी इस मामले में कई चौंकाने वाले खुलासे किए गए. रिपोर्ट में इस बात का जिक्र है कि शूटर्स से कहा गया कि काम को अच्छे से अंजाम देना क्योंकि ऐसा करके हम इतिहास लिखने जा रहे हैं. कई रिपोर्ट्स के मुताबिक शूटर्स को सारी जानकारी भी मुहैया की गई. 1735 पन्नों की पुलिस की चार्जशीट में ये भी पता चला कि शूटर्स को बिल्कुल भी न डरने की बात का आदेश दिया गया. शूटर्स से गैंग के

सरगनाओं ने कहा कि आपको डरना नहीं है क्योंकि आप लोग समाज में बदलाव लाने के लिए ये कर रहे हो. बताया गया कि शूटर्स को सारे आदेश वॉयस मैसेज के जरिए दिए गए. रिपोर्ट के मुताबिक, शूटर्स से ये कहा गया कि वो ऐसे गोलियां चलाएं ताकि एक्टर सलमान खान बुरी तरह डर जाएं. शूटर्स से ये भी कहा गया कि वो हेलमेट पहने ताकि उनका चेहरा छिप सके और सिगरेट भी पीते दिखें जिससे वो निडर नजर आएं.

## मेरठ के चर्चित ट्रिपल मर्डर केस में 10 हत्यारों को उम्रकैद, 16 साल पहले हुई थी हत्या

मेरठ के गुदड़ी बाजार ट्रिपल मर्डर केस में सोमवार (5 अगस्त) को कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है. कोर्ट ने हत्या के आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है. साथ ही 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लाया है. गुदड़ी बाजार ट्रिपल मर्डर केस के मुख्य आरोपी इजलाल, गर्लफ्रेंड शीबा सिरोही, महाराजा समेत 10 आरोपियों को

आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है. दरअसल, कोर्ट में आज मेरठ के ट्रिपल मर्डर केस की सुनवाई चल रही थी, सुनवाई के बाद कोर्ट ने अपना फैसला दिया. जज ने लंच के बाद अपना फैसला सुनाया. सुनवाई के दौरान कोर्ट में भारी भीड़ मौजूद थी. मेरठ के स्पेशल कोर्ट ने ऐसी एक्ट 2 के जज पवन कुमार शुक्ला ने सजा सुनाई. 16 साल बाद ट्रिपल मर्डर केस में दोषियों को सजा मिली है. हाई प्रोफाइल केस की सुनवाई को सुनने के लिए कई वकील और आम जनता पहुंचे. मेरठ में 23 मई 2008 को सुनील ढाका, सुधीर उज्जवल और पुनीत गिरी का बेरहमी से कत्ल कर दिया गया था. हत्यारों ने गर्दन काटने के बाद आंखे निकाल दी थी. हत्या करने के बाद तीनों के शव को बागपत में हिंडन नदी के पास फेंक दिया गया था, जिसके बात तीनों का शव कर में मिला था. मेरठ के चर्चित गुदड़ी बाजार ट्रिपल मर्डर केस के मुख्य आरपी इजलाल कुरैशी और उसकी गर्लफ्रेंड शीबा सिरोही है. इस केस में अन्य आरोपी, देवेंद्र आहूजा, अफजाल, वसीम,रिजवान, बदरुद्दीन, महाराज, इजहार और अब्दुल रहमान उर्फ कलुवा हैं. इन सभी को कोर्ट ने 31 जुलाई 2024 को हत्या में शामिल होने पर दोषी करार दिया था. मेरठ में हुए ट्रिपल मर्डर में कोर्ट ने अपना फैसला 16 साल बाद सुनाया है. 16 साल बाद मुख्य आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी. इन तीन आरोपियों ने मेरठ को 2008 में हिला कर रख दिया है. इन लोगों ने अपने बाकी साथियों के साथ मिलकर बेरहमी से तीन लोगों की हत्या के वारदात को अंजाम दिया था. आज एंटी करप्शन कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया है, जिससे पीड़ित परिजनों के लोग काफी खुश हैं. उनका जख्म तो नहीं भर सकता, लेकिन उनके घर को उजाड़ने वालों को कोर्ट की तरफ से आज आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है. मेरठ ट्रिपल मर्डर केस में 14 आरोपियों पर चार्जशीट लगी थी, जिसमें से दो की पहले ही मौत हो चुकी है. एक नामजद पहले ही छूट चुका है. एक की फाइल विचाराधीन है. बाकी बचे 10 को कोर्ट की तरफ से दोषी करार दिया गया. इस केस में करीब 33 लोगों ने गवाही दी है. लव अफेयर में ये हत्या हुई थी.

## किशनगंज में अचानक यात्री बस में लगी आग, आसमान तक उठे आग शोले

किशनगंज शहर में एक यात्री बस में अचानक आग लग गई, जिसके बाद देखते ही देखते पूरी बस जलकर राख हो गई. बस में बैठे यात्रियों ने किसी तरह कूद कर अपनी जान बचाई. इस दौरान मौके पर काफी चीख पुकार मच गई. लोग इधर से उधर आग को बुझाने की कोशिश में भागने लगे. बाद में घटनास्थल पर पहुंची फायर बिग्रेड की टीम ने बस में लगी आग को बुझाया. जानकारी के मुताबिक समीर ट्रैवल बस सिलीगुड़ी से पूर्णिया जा रही थी, जिसमें तीन दर्जन से अधिक यात्री सवार थे. बस में बैठे यात्री किसी तरह बस से कूद कर अपनी जान बचाने में सफल हुए. घटना सदर थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय उच्च पथ 27 खगड़ा के निकट की है. आग लगने की सूचना के बाद मौके पर लोगो की भारी भीड़ जुट गई. यात्रियों ने बताया कि अचानक बस में धुआं निकलता हुआ देखा गया और देखते ही देखते आग ने पूरे बस को अपनी चपेट में ले लिया. आग लगने के बाद चालक, कंडक्टर सहित अन्य सदस्य बस को छोड़ कर फरार हो गए. घटना के बाद स्थानीय लोगों ने थाना पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद थाना अध्यक्ष संदीप कुमार दल बल के साथ मौके पर पहुंचे साथ ही फायर बिग्रेड की टीम ने मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाया. इस दौरान राष्ट्रीय उच्च पथ पर यातायात पूरी तरह बाधित हो गया. यात्रियों ने बताया कि उनका सारा सामान जलकर राख हो गया. यात्री अपने समान के जल जाने के कारण काफी हताश और

परेशान थे. गनीमत ये रही कि किसी यात्री को कोई नुकसान नहीं हुआ. मौके पर पहुंची पुलिस बस ड्राइवर और कंडक्टर की खोज में लगी है. हालांकि कि बस में आग कैसे लगी अभी इसका पता नहीं चल पाया है. थाना अध्यक्ष संदीप कुमार ने बताया कि कोई हताहत नहीं हुआ है, पूरे मामले की जांच की जा रही है.

## कांवड़ यात्रा के दौरान आगरा में बड़ा हादसा, तेज रफ्तार कार ने कांवड़ियों को रौंदा, 5 घायल

आगरा के थाना ताजगंज क्षेत्र के इनर रिंग रोड पर सड़क हादसा हो गया, जिसमें करीब पांच कांवड़िए घायल हो गए. एक तेज रफ्तार कार ने कांवड़ यात्रा के दौरान भक्तों को टक्कर मार दी, जिसमे 5 कांवड़िए घायल हो गए, जिसमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है. इनर रिंग रोड पर सोरों घाट से कावड़ लेकर आ रहे कावड़ियों को तेज रफ्तार कार ने रौंद दिया. इस दौरान घायल कांवडियों के अन्य साथियों ने कावड़ियों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया. कांवड़ियों की कांवड़ खंडित होने पर गुस्साए कांवड़ियों ने कार में जमकर तोड़फोड़ भी कर दी. हादसे में कार में सवार दो युवक भी घायल हो गए. आगरा के थाना बमरौली कटारा क्षेत्र के 22 लोग विगत शुक्रवार को कावड़ लेने के लिए सोरों घाट गए हुए थे और रविवार की रात्रि कांवड़िए आगरा पहुंच रहे थे. इस दौरान कांवड़ लेकर अपने गांव आ रहे कांवड़ियों को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी. सड़क हादसे में एक साथ पांच

कांवड़ियों की कांवड़ खंडित हो गई. कांवड़ खंडित होने से कांवड़ियों में आक्रोश फैल गया और कांवड़ियों ने कार को घेर लिया. हादसे के बाद कार में तोड़फोड़ की गई. कार के शीशे तोड़ दिए गए. घटना की जानकारी पुलिस को मिली. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई. पुलिस ने घायल दोनों कार सवारों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज चल रहा है. घटना की सूचना पर कांवड़ियों के परिजन भी पहुंच गए. हादसे की जानकारी होने पर कांवड़ियों के परिजनों में कोहराम मच गया. कावड़िया सोरों घाट से कावड़ लेकर आ रहे थे, जिनमें से पांच कावड़ खंडित हो गई. कांवड़ यात्रा के दौरान सड़क हादसे की घटनाएं लगातार सामने आ रही है. हाल ही में गाजियाबाद में एक पुलिस की जीप ने कांवड़िए को टक्कर मार दी. हालांकि इस हादसे में जीप से कांवड़िए को कोई नुकसान नहीं पहुंचा था. उसके बावजूद कांवड़ियों ने पुलिस की जीप में जमकर तोड़फोड़ की थी.

# भाजपा कार्यालय पर एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण कार्यक्रम हुआ

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण अभियान के तहत जिला संगठन प्रभारी जयप्रकाश राजौरिया ने पार्टी जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरवरिया एवं कार्यकर्ताओं के साथ कार्यालय परिसर में वृक्षारोपण करते हुए उसमें जलदान दिया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण हमारे लिए अति महत्वपूर्ण है,इस अभियान को अंतिम छोर तक के व्यक्ति तक पहुंचा कर लोगों को पर्यावरण हेतु और वृक्षारोपण करने के लिए जागृत करें । यह हम सब कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। बैठक का संचालन जिला महामंत्री मनोज अनंत द्वारा किया गया। बैठक में जिला उपाध्यक्षों में शिवराज सिंह यादव,उपेंद्र राजौरिया,अनिल सिंह कुशवाह,जिला मीडिया प्रभारी अजय शर्मा,जिला मंत्री जयकुमार जैन जिला मंत्री सुरेश क्षारी मंडल अध्यक्ष मंडल अध्यक्ष प्रदीप सिंह भदौरिया टीपू ,शेरू पचौरी, गजेंद्र सिंह भदौरिया,राजवीर सिंह गुर्जर, जेल सिंह नरवरिया, मुकेश जैन, रोहित शाक्य,शेखर खटीक,मोनू नरवरिया, संतोष सिंह मसूरी,शिवपूजन सिंह भदौरिया महामंत्री, आदि लोग कार्यकर्ता शामिल थे।

### भाजपा के हर घर तिरंगा अभियान को लेकर 6 को होगी बैठक, पासवान करेंगे मार्गदर्न

**प्रदेश महामंत्री व अभियान के प्रदेश संयोजक श्रीवास्तव ने बताया - बैठक में अभियान पर विस्तार से चर्चा होगी और इस कार्यक्रम को भव्य रूप देने के लिए तैयारी की जाएगी**

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के हर घर तिरंगा अभियान के दृष्टिगत 6 अगस्त को महत्वपूर्ण बैठक कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश कार्यालय में होगी। बैठक में मार्गदर्शन करने के लिए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और बिहार भाजपा के मंत्री गुरुप्रकाश पासवान रायपुर पहुँच रहे हैं। श्री पासवान हर घर तिरंगा अभियान प्रदेश के प्रभारी हैं। बैठक में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, प्रदेश के वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी सहित सरकार के मंत्रीगण, जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी, भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत और उनकी पूरी टीम शिरकत करेगी।भाजपा प्रदेश महामंत्री और हर घर तिरंगा अभियान के प्रदेश संयोजक संजय श्रीवास्तव ने बताया कि अभियान को लेकर छत्तीसगढ़ की 6 अगस्त को होने वाली इस बैठक में अभियान पर विस्तार से चर्चा होगी और इस कार्यक्रम को भव्य रूप देने के लिए तैयारी की जाएगी। श्री श्रीवास्तव ने हर घर तिरंगा अभियान कार्यक्रम को लेकर कहा कि विगत वर्षों से पार्टी के कार्यकर्ता सभी देशवासियों के साथ मिलकर देशभर में हर्षोल्लास के साथ राष्ट्र की एकता एवं अखंडता के संकल्प को प्रतिबद्धता के साथ ÷हर घर तिरंगा-तिरंगा यात्रा÷ विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से मनाते आ रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों से तो पूरे देश में हर घर तिरंगा अभियान के लिए सबका जोश हाई रहता है। इसे लेकर अब तो तरह-तरह के इनोवेशन भी होने लगे हैं। तिरंगे को लेकर ये उल्लास, ये उमंग हमें एक-दूसरे से जोड़ती है। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि इस अभियान के दृष्टिगत 11 से 14 अगस्त 2024 तक तिरंगा यात्रा का आयोजन होगा और इस कार्यक्रम में युवा मोर्चा की अग्रणी भूमिका रहेगी।

# ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने ग्वालियर-चंबल संभाग के विधायकों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ की बैठक

**महेंद्र शर्मा उप संपादक पुष्पांजलि टुडे**

ग्वालियर / ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने ग्वालियर-चंबल संभाग के विधायकों एवं जनप्रतिनिधियों की क्षेत्रवार विद्युत समस्याओं के निराकरण के लिये महत्वपूर्ण पहल की है। उन्होंने दतिया, भिण्ड, ग्वालियर, मुरैना, शिवपुरी, श्योपुर, गुना, अशोकनगर के विधायकों और जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद कार्यक्रम में कहा कि खराब तथा जले ट्रांसफार्मर यदि पात्रता की श्रेणी में आते हैं तो उन्हें तत्काल बदला जाए। उन्होंने ओवर लोडेड तथा हर बार जलने वाले ट्रांसफार्मर के लिये तकनीकी परीक्षण कराकर तथा स्वीकृत लोड चैक कर ट्रांसफार्मर की क्षमता वृद्धि करने के निर्देश दिए। बैठक में वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री रामनिवास रावत भी उपस्थित थे। बैठक में ऊर्जा मंत्री ने जानकारी दी कि प्रधानमंत्री जनजातीय जनजातीय नागरिक महाअभियान (पीएम-जनमन) के प्रथम चरण के कार्य पूर्ण हो गए हैं। दूसरे चरण के कार्य निर्माणाधीन हैं तथा तृतीय एवं चतुर्थ चरण के लिये स्वीकृति प्रक्रियाधीन है। इस अवसर पर विधायकों की मांग पर आरडीएसएस योजना एवं एसएसटीडी योजना के अंतर्गत विधायकों के कार्य क्षेत्रांतर्गत स्वीकृत कार्यों को जल्द ही पूर्ण कराने के लिये अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने विधायको को जानकारी दी कि ट्रांसफार्मर बदलवाने के लिये उपभोक्ता 1912 डायल कर शिकायत दर्ज करा सकते हैं। उन्होंने मेंटेनेंस तथा ट्रिपिंग कम से कम करने के लिये मैदानी अधिकारियों के निर्देशों की जानकारी भी विधायकों को दी। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव ऊर्जा श्री मनु श्रीवास्तव, एमडी मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी श्री क्षितिज सिंघल, एमडी मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी जबलपुर, निदेशक तकनीकी श्री दीप्तापाल सिंह, मुख्य महाप्रबंधक ग्वालियर क्षेत्र श्री राजीव गुप्ता एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

### प्रशासन द्वारा जिला अस्पताल में घटिया निर्माण की जांच कर कार्यवाही करनी चाहिए -मान सिंह कुशवाह

# बारिश में जिला अस्पताल के आईसीयू रूम की खुली पोल,छत टपकने से भीगते,परेशान होते रहे मरीज

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । थोड़ी सी बारिश ने जिला अस्पताल को पानी-पानी कर दिया।अस्पताल में आईसीयू की छत लीकेज होने से गंभीर मरीज टपकते पानी से परेशान होते नजर आए, लीकेज की समस्या के चलते गम्भीर मरीजों में भयनुमा माहौल बना हुआ था,इस घटना ने एक बार फिर स्वास्थ्य विभाग की पोल खोल दी है, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने का दावा करने वाले स्वास्थ्य विभाग की पहली बारिश ने पोल खोलकर रख दी है। शनिवार रात को हुई, बारिश ने भिंड जिला अस्पताल के आईसीयू के साथ कई यूनिटों में छत से जगह-जगह पानी टपकने की समस्या देखने को मिली, जिससें उपचाररत गंभीर मरीजों के कई घंटे मुसीबतों से भरे गुजरे,छत से टपकते पानी के कारण मरीज और उनका सामान भी भीग गया, अस्पताल

प्रबंधन की लापरवाही का खामियाजा गंभीर मरीजों को उठाना पड़ रहा है, यहां मरीज रात भर परेशान होते रहे. इस संबंध में जब मौजूद स्टाफ से बात की गई तो उन्होंने बताया हमारे द्वारा जिला अस्तपाल प्रबंधन को कई बार अवगत कराया गया है पर अभी तक सुधार नहीं हुआ है ।वहीं, वार्ड में मौजूद एक शख्स ने छत से पानी के टपकने का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर शेयर किया है. उसने कहा, बारिश के चलते छत से पानी मरीजों पर टपक रहा है। वहीं, यहां ना कोई देखने वाला है और ना कोई सुनने वाला है।कांग्रेस जिला अध्यक्ष मान सिंह कुशवाहा ने वीडियो को सोशल मीडिया के माध्यम से देखा तो उन्होंने कहा कि ये वार्ड कोरोना मरीजों के लिए तैयार किया गया था और थोड़ी बारिश में इसका यह हाल है तो आगे का अंदाजा लगाया जा सकता है। इस वार्ड को बनाने के लिए शासन ने करोड़ों रुपए खर्च किए है। इसके बाद भी आईसीयू बार्ड की छतों से पानी टपक रहा है इस से निर्माण एजेंसी और जिला अस्पताल प्रबंधन की सच्चाई सामने आ गई है। जिसमे निर्माण कार्य में हुए बंदरबाट की बू स्पष्ट दिखाई दे रही है। भिंड जिला कलेक्टर को इसकी जांच करा कर कार्यवाही करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं इस तरह के घटिया काम की निंदा करता हूं , जहां एक ओर आमजन अपनी बीमारियां ठीक कराने के लिए जिला अस्पताल आता है, वही जिला अस्पताल खुद बीमारी की स्थिति में बना हुआ है,जिला अस्पताल प्रबंधन नाकाम सबित हो रहा है और आमजन की जिंदगियों से खिलवाड़ कर रहा है। कांग्रेस पार्टी जल्द जन आंदोलन कर अस्पताल प्रबंधन की बंद आंखे खोलने का काम करेंगी।

# खरगोन पुलिस ने दिनदहाड़े स्कूल संचालक को चाकू मारकर हत्या करने वाले आरोपियों को किया गिरफ्तार

**खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे**

### इलाज के दौरान स्कूल संचालक की हुई मृत्यु

### 02 आरोपी द्वारा किया था धारदार चाकू से हमला

### मामूली कहासुनी को लेकर आवेश मे आकार मारा था चाकू

### चाकू मारने के बाद स्कूल संचालक की गाड़ी पर किया था पथराव

### आरोपी पर करीब एक दर्जन अपराध है पंजीबद्ध

दिनांक 02.08.2024 को थाना ऊन पर सूचना प्राप्त हुई कि, एक व्यक्ति को 02 अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा धारदार हथियार से ग्राम संघवी के आगे पुलिया के पास हमला कर घायल कर दिया है । जिसे तत्काल ईलाज हेतु शासकीय अस्पताल खरगोन भेजा गया है । उक्त सूचना पर से थाना बरूड व थाना उन की पुलिस टीम को तत्काल शासकीय अस्पताल खरगोन व घटनास्थल पर रवाना किया गया व थाना उन पर अपराध क्रमांक 250/24 धारा 109(2),296,126(2), 324(4),3(5) बी.एन.एस.का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया ।पुलिस टीम के द्वारा तत्काल घटना स्थल पर पहुँच कर प्रत्यक्षदर्शियों से बातचित की गई, जिसमे फरियादी के द्वारा बताया गया कि, मै भडवाली रोड किनारे खेत में था कि, तभी भडवाली के उमेश शर्मा सर उनकी ईको कार से मेरे खेत के पास आकर रुक गये, तभी पीछे से एक प्लेटिना मोटर साईकिल पर 02 व्यक्ति आये और गा?ी रोककर शर्मा सर से अपशब्द कहने लगे, तब सर ने दोनों व्यक्तियों से ह्यश्हह्द4 बोलकर आगे जाने को कहा, तब वे वहाँ से दोनों आगे चले गये । शर्मा सर ने 2 से 3 मिनट मुझसे बात की और वे भडवाली तरफ चले गये । करीब 05 मिनट बाद शर्मा वापस दौ?ते हुए आये और थोडी दूर से मुझे आवाज लगाई, तो मैं उनके पास गया तो शर्मा सर ने मुझे बोला की उन दोनों ने मुझे चाकु मारा तब मैं शर्मा सर के साथ कार के पास गया तो वो दोनों व्यक्ति उनकी ईको कार में पत्थर मार रहे थे । उनमें से एक व्यक्ति के हाथ में चाकु था । तभी वहाँ गाँव के अन्य लोगों के आने पर वो दोनों व्यक्ति अपनी प्लेटिना मो.सा. से भडवाली तरफ भाग गये । मैं मोटर साईकिल का नम्बर नहीं देख पाया ।उमेश शर्मा सर को उन दोनों अज्ञात व्यक्तयों ने इको कार को अचानक रोकने की बात पर से जान से मारने की नीयत से पेट में चाकू मारकर चोट पहुंचाई जिससे उनको खुन निकल रहा था और उनकी ईको कार के कांच फोडकर आर्थिक नुकसान पहुंचाया है। घायल मजरुह की ईलाज के

दौरान मृत्यु होने से प्रकरण में धारा 103 बीएनएस का ईजाफा किया गया । पुलिस टीम अज्ञात आरोपीयों की तलाश पतारसी हेतु सक्रिय हो गई । प्रकरण की गंभीरता को देखते हुये पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री धर्मराज मीना के निर्देशन में अति.पुलिस अधीक्षक (शहर) श्री तरुनेन्द्रसिंह बघेल एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अनुभाग खरगोन श्री रोहित लखारे के मार्गदर्शन मे थाना प्रभारी उन श्री गणपत कनेल व थाना प्रभारी बरुड रितेश यादव के नेतृत्व मे टीम का गठन कर उक्त मामले मे लिप्त आरोपियों की शीघ्र से शीघ्र गिर?तारी हेतु निर्देशित किया गया । पुलिस थाना टीम उन व बरुड के द्वारा क्षेत्र मे मुखबिरों को सक्रिय कर घटना मे संलिप्त आरोपियों की पहचान के लिए मुखबिरों को सक्रिय कर जानकारी एकत्रित करने के लिए लगाया गया व पुलिस टीम के द्वारा घटनास्थल के आसपास के सीसीटीव्ही फुटेज खंगाले गए व घटनास्थल के आसपास संदिग्धों को भी संदेह के घेरे मे रख कर पूछताछ की गई । घटना मे प्रयुक्त प्लेटिना गा?ी के मालिकों की ग्राम भ?वाली, ग्राम छिपीपूरा, ग्राम सीलोटिया और अन्य आसपास के फलियों मे तलाश पतारसी की गई । जिसमे आसपास के क्षेत्र मे लगभग 20 से अधिक लोगों के नाम आए पुलिस टीम के द्वारा सभी को संदेह के घेरे मे रख कर घटना दिनांक के बारे मे विस्तृत पूछताछ की गई जिसमे संदिग्ध वाहन स्वामी सुनिल उर्फ सोनिया घटना दिनांक को अपने दोस्त गिलदार के साथ शराब पीने ग्राम सांघवी जाना एवं घटना के बाद से फरार होने पाया गया । प्राप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम के द्वारा तत्काल सुनिल उर्फ सोनिया निवासी छिपीपुरा व गिलदार पिता फुलसिंह कुकडिया बयडा थाना चौकी ओझर थाना नागलवाडी को पकड़ा गया । जिनसे मनोवैज्ञानिक तरीके व सख्ती से पूछताछ करने पर उक्त घटना को करीत करना स्वीकार किया गया । पुलिस टीम के द्वारा दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया जा रहा है । पुलिस टीम के द्वारा घटना प्रयुक्त चाकू व मोटरसाइकल को आरोपीयो की निशानदेही पर विधिवत जप्त किया गया जाकर आरोपियों को माननीय न्यायालय पेश किया गया है ।

### आपराधिक रिकार्ड

गिलदार पिता फुलसिंह मेहता जाति भील उम्र 36 साल निवासी कुकडिया बयडा थाना चौकी ओझर थाना नागलवाडी जिला बडवानी

1.अपराध क्रमांक 221/2017 धारा 379 भादवि थाना ऊन

2.अपराध क्रमांक 224/2018 धारा 379 भादवि थाना ऊन

3.अपराध क्रमांक 229/2018 धारा 379 भादवि थाना ऊन

4.अपराध क्रमांक 231/2018 धारा 379 भादवि थाना ऊन

5.अपराध क्रमांक 234/2018 धारा 379 भादवि थाना ऊन

6.अपराध क्रमांक 245/2018 धारा 379 भादवि थाना ऊन

7.अपराध क्रमांक 250/2018 धारा 379 भादवि थाना ऊन

8.अपराध क्रमांक 146/2018 धारा 379 भादवि थाना ऊन

9.अप.क्र. 632/2014 धारा 457,380 भादवि थाना कोतवाली खरगोन

10.अप.क्र. 182/2021 धारा 379 भादवि थाना अंजड बडवानी

11.अप.क्र. 295/2021 धारा 379 भादवि थाना अंजड बडवानी

गिरफ्तार आरोपीयों के नाम

1.सुनिल उर्फ सोनिया पिता छगन माहिले जाति भील उम्र 26 साल निवासी छिपीपुरा थाना बरुड जिला खरगोन

2.गिलदार पिता फुलसिंह मेहता जाति भील उम्र 36 साल नि. कुकडिया बयडा थाना चौकी ओझर थाना नागलवाडी, बडवानी हाल- लिपनी थाना बरुड, खरगोन

### पुलिस टीम-

उक्त प्रकरण में एसडीओपी खरगोन रोहित लखारे के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी ऊन गणपत कनेल थाना प्रभारी बरुड रितेश यादव के नेतृत्व में उनि भोजराज परमार, उनि मांगीलाल वास्केल, सउनि चन्द्रकांत पाटील, सउनि ओंकार साल्वे,सउनि राजासिंह, प्रआर. 450 दिनेश जाधव, कमल यादव, संजय, आर.84 नंदकिशोर पटेल, आर.924 गौरव सिकरवार, आर.424 हिम्मत बर्डे, आर.409 हुकुम सोलंकी, आर.465 कमलेश, आर.292 जगन भंवर, आर. 181 रविन्द्र बमनका, आर.67 कैलाश निगवाल, चालक आर. राजेश सुल्या, प्रआर. 547 कैलाश परते, प्रआर. 27 शोयब शेख, आर. 59 जयप्रकाश पाटीदार, आर.931 कृष्णकांत, आर.898 हीरालाल, आर.नानसिंह, म.आरक्षक रेशा व जिला साइबर सेल से उनि दीपक तलवारे, प्रआर आशीष अजनारे, अभिलाष डोंगरे, सचिन चौधरी, सोनू वर्मा, मगन अलावा, विजयेन्द्र वासकेल का विशेष योगदान रहा है ।

# कर विधायक श्री पाटीदार के जन्मदिन को बनाया यादगार

**खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे**

05 अगस्त को सीएम राईज विद्यालय टेमला में विधायक श्री बालकृष्ण पाटीदार के जन्म दिवस के अवसर पर युवा उद्योगपति एवं समाजसेवी श्री नितिन पाटीदार के द्वारा जन्म दिवस को यादगार बनाने के लिए विद्यालय परिसर में 300 के लगभग पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर सीएम राईज विद्यालय प्राचार्य श्री अशोक सिंह पवार, श्री जगदीश चंद्र पाटीदार श्री योगेश गर्दे, श्री दीपक वाघ,पवन भावसार, आदि स्टाफ सदस्यों के साथ ही ग्राम पंचायत टेमला के सरपंच श्री विक्रम, उप सरपंच श्री वासुदेव पाटीदार, श्री भगवान पाटीदार, श्री रजनीश जायसवाल, श्री हेमराज पाटीदार, श्री विनीत मानकचंद पाटीदार, श्री जगदीश पाटीदार, श्री अक्कू पाटीदार, श्री बल्लू भाई पाटीदार के साथ ही ग्राम टेमला के गण मान्य नागरिक उपस्थित थे। इस अवसर पर अतिथि द्वारा समस्त ग्राम वासियों से पौधारोपण करने के साथ ही उनके संरक्षण के लिए दोनों हाथ ऊपर करके शपथ भी दिलवाई।

### भाजपा के सहयोग केंद्र में जनसमस्याओं का निराकरण

# प्रदेश के वन मंत्री केदार कश्यप लोगों की समस्याओं से हुए अवगत अधिकारियों को दिए निराकरण के निर्देश

**ब्यूरो चीफ छत्तीसगढ़ पुष्पांजलि टुडे अश्वनी अवस्थी**

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश कार्यालय में आयोजित सहयोग केंद्र में प्रदेश सरकार के उप मुख्यमंत्री, मंत्री और भाजपा पदाधिकारी समस्याओं और आवेदनों का त्वरित निराकरण कर रहे हैं। भाजपा के मंत्री लगातार सहयोग केंद्र में लगातार शामिल हो रहे है और समस्याओं एवं आवेदन का त्वरित निराकरण कर रहे हैं। इसी कड़ी में आज सोमवार को प्रदेश के वनमंत्री केदार कश्यप जनसहयोग केंद्र पहुंचे।जनसमस्याओं को सुनकर उसके निराकरण के लिए विभागीय अधिकारियों से फोन पर बातचीत कर उचित दिशा निर्देश दिए।उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि विभागीय समस्यों के साथ अन्य विभाग से जुड़े मुद्दे भी आ रहे हैं। प्रमुख रूप से सहकारिता से जुड़े कांग्रेस शासन के अनियमितताओं पर सूक्ष्मता से जांच के आवेदन, प्रधानमंत्री आवास योजना, सार्वजनिक मंच, मंदिर, सड़क निर्माण, सामाजिक हित से जुड़े विषयों पर आवेदन प्राप्त हुए हैं।सहयोग केंद्र में प्रदेश महामंत्री विकास महतो, रूपनारायण सिन्हा, विजय शंकर मिश्रा सहित अन्य भाजपा पदाधिकारी उपस्थित रहे।

### आरडीएसएस योजना का लाभ आम उपभोक्ताओं को जल्द ही मिले ङ्क ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

# विद्युत वितरण व्यवस्था को लेकर ग्वालियर-चंबल संभाग के विद्युत अधिकारियों की उच्च स्तरीय बैठक सम्पन्न

ग्वालियर / ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि आबादी को 24 घंटे और किसानों को 10 घंटे विद्युत आपूर्ति करना राज्य शासन का संकल्प है। इस संकल्प की पूर्ति के लिये रिवेम्प्ट डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम स्कीम (आरडीएसएस) और एसएसटीडी योजना के अंतर्गत 33/11 केव्ही उपकेन्द्र, 33 केव्ही लाईन, 11 केव्ही लाईन के स्वीकृत विस्तार कार्य ग्वालियर एवं चंबल संभाग में समय-सीमा में पूरे होने चाहिए। आरडीएसएस के योजना के कामों का लाभ जनता को मिल सके इसके लिये रणनीति बनाकर कार्य किया जाए, ताकि योजना समय-सीमा में पूर्ण हो सके। उन्होंने कहा कि घोषित अवधि में गुणवत्तापूर्ण एवं निर्बाध बिजली आपूर्ति सभी श्रेणी के उपभोक्ताओं को मिलना चाहिए। श्री तोमर सोमवार को ट्रिपल आईटीएम के सभागार में ग्वालियर एवं चंबल संभाग के विद्युत अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे।इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव ऊर्जा श्री मनु श्रीवास्तव, एमडी मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी श्री क्षितिज सिंघल, एमडी मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी जबलपुर, निदेशक तकनीकी श्री दीप्तापाल सिंह, मुख्य महाप्रबंधक ग्वालियर क्षेत्र श्री राजीव गुप्ता एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने बिजली अधिकारियों को सचेत किया कि मेंटेनेंस प्रभावी ढंग से किया जाए ताकि ट्रिपिंग कम से कम हो और फॉल्ट की गुंजाइश न रहे। उन्होंने ग्वालियर शहर में निर्माणाधीन 132 केव्ही विद्युत उपकेन्द्र की समीक्षा की और

आशा व्यक्त की कि इस उपकेन्द्र का काम जल्द ही पूर्ण कर लिया जायेगा। उन्होंने उद्योगो को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिये कहा। प्रधानमंत्री जनजातीय जनजातीय नागरिक महाअभियान (पीएम-जनमन) के प्रथम चरण के काम पूरा होने पर संतोष व्यक्त किया और द्वितीय चरण की प्रगति की समीक्षा की।ऊर्जा मंत्री ने कहा कि अच्छे कार्य करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया जाए तथा कार्य में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को समुचित दण्ड दिया जाए। उन्होंने जनता से संवाद बनाए रखने के लिये ग्रामीण क्षेत्र में चौपाल लगाने और शहरी क्षेत्र में जन संवाद कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। अपर मुख्य सचिव श्री मनु श्रीवास्तव ने नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग की ÷कुसुम÷ योजना से कृषि क्षेत्र के पम्प उपभोक्ताओं को लाभान्वित करने की पहल करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि औद्योगिक विकास केन्द्रों के लिये अतिरिक्त गाड़ी एवं कुशल कर्मचारियों की व्यवस्था की जा रही है। इस अवसर पर मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक ने ग्वालियर एवं चंबल संभाग के अधिकारियों को विद्युत आपूर्ति के साथ-साथ पेईंग कंज्यूमर बढ़ाने तथा सकल वाणिज्यिक व तकनीकी हानियां (एटीएण्डसी लॉसेस) कम करने पर बल दिया। इस अवसर पर ग्वालियर-चंबल संभाग की विद्युत वितरण व्यवस्था को लेकर 90 दिन की कार्ययोजना, पाँच वर्ष की कार्ययोजना और सकल वाणिज्यिक व तकनीकी हानियां एवं राजस्व वसूली के प्रयासों की समीक्षा की गई।

## अवैध विकसित कालोनियों के विरूद्ध की गई कार्यवाही

### नदी के किनारे अवैध कालोनियों के विरूद्ध की गई कार्यवाही

**दैनिक पुष्पांजली टुडे**

रीवा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल के निर्देश पर शहर में अवैध विकसित कालोनियों के विरूद्ध कार्यवाही की गई। एसडीएम हुजूर वैशाली जैन ने प्रशासनिक अमले के साथ अवैध विकसित कालोनियों का निरीक्षण किया तथा बिना अनुमति एवं नियमों का पालन न करते हुए विकसित की जा रही कालोनियों के विरूद्ध कार्यवाही की।एसडीएम द्वारा करहिया पुल के समीप नदी के किनारे बनाई जा रही शाही बिल्डर्स में निर्माण कार्य को रोका गया बिल्डर्स द्वारा एनजीटी की गाइडलाइन का उल्लंघन कर कालोनी विकसित की जा रही है तथा नदी के तट पर सटाकर कालोनी का निर्माण किया जा रहा है। इसी प्रकार शांति विलास कालोनी में नाले से कब्जा हटाने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान शांति रायल स्टेट के बिना अनुमति निर्माण कार्य को हटाया गया। कलेक्टर ने बताया कि नदी के किनारे नियम विरूद्ध विकसित की जा रही तथा मापदण्डों को पूरा न करने वाली कालोनियों के विरूद्ध कार्यवाही की गई। नदी का बहाव सकरा न हो तथा एनजीटी का पालन हो इसलिए यह कार्यवाही की गई।

## जिले में वर्षा का दौर थमा – नदी–नालों का जल स्तर उतार पर

**दैनिक पुष्पांजली टुडे**

रीवा। जिले में तीन दिनों से हो रही लगातार वर्षा के बाद 4 अगस्त को वर्षा का दौर थम गया। जिले में 5 अगस्त को 2.7 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। लगातार वर्षा के कारण बीहर, बिछिया और टमस नदों सहित अन्य नदी-नालों के जल स्तर में 4 अगस्त को तेजी से वृद्धि हुई थी। रीवा शहर की बिछिया, निपनिया, झिरिया तथा बाँसघाट बस्तियों के कई घरों तक पानी पहुंच गया था। वर्षा का दौर थमने से 4 अगस्त को रात 10 बजे के बाद नदियों का जल स्तर घटना शुरू हो गया। जिले में 5 अगस्त को नदी-नालों का जल स्तर उतार पर है। जिले के किसी भी क्षेत्र में बा[] की स्थिति नहीं है। नदी-नाले सामान्य जल स्तर पर बह रहे हैं। प्रशासन किसी भी स्थिति से निपटने के लिए लगातार तैयारी बनाए हुए है। जिले में एक जून से अब तक कुल 275.6 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। इस संबंध में अधीक्षक भू अभिलेख ने बताया कि इस अवधि में तहसील हुजूर में 324.7 मिलीमीटर, रायपुर कर्चुलियान में 134.5, गु? में 442 मिलीमीटर, सिरमौर में 326.8 मिलीमीटर, त्योंथर में 155.5 मिलीमीटर, सेमरिया में 254 मिलीमीटर, मनगवां में 394 मिलीमीटर तथा तहसील जवा में 173 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। जिले में गत वर्ष इसी अवधि में 436.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष इसी अवधि में 161.3 मिलीमीटर कम वर्षा हुई है। जिले की औसत वार्षिक वर्षा 1044.6 मिलीमीटर है।

### अवैध कब्जेदारी को लेकर गठित हो सकती है राजस्व व पुलिस टीम

## जांच हुई तो लेखपाल राहुल व अन्य लेखपालों का खुलसकता है काला चिठठा

### गर्दिश की ओर बढ़ रहे भ्रष्टाचारियों के सितारे

सीतापुर। विकास खण्ड खैराबाद की ग्रामसभा भगवानपुर सीतापुर में लगातार हो तालाबा और सरकारी जमीनों पर कब्जे को लेकर ग्रामसभा के लोगों में काफी आक्रोश व्याप्त है। लगातार ग्रामीणों द्वारा शिकायते की जा रही है कार्यवाही न होने पर गांव के लोग समाधान दिवस राहुल तिवारी लेखपाल की पोल पटटी खोली है। जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द के आदेशों के तहत अगर भगवानपुर सीतापुर के ग्रामीणों द्वारा की गई शिकायत पर डीएम के आदेशों का क्रियान्वयन होता है तो अनुमान लगाया जा रहा है कि राहुल तिवारी के सितारे गर्दिश में प? सकते है। ऐसा इस लिये कहा जा रहा है क्योकि लेखपाल बलिया जब सीतापुर भगवानपुर ग्रामसभा में तैनात थे तो उन्होने दबंगों से तालाब व अन्य सरकारी जमीनों पर किये गये अवैध कब्जे को हटवाया था। इसी दौरान बलिया का तबादला हो गया और राहुल तिवारी की तैनाती हो गई। भगवानपुर का चार्ज पाने के तत्काल बाद राहुल तिवारी ने दबंगो से सम्पर्क कर फिर से उसी जमीन पर दबंगो का कब्जा करवाकर तालाब और सरकारी जमीन को जारी सरकारी आदेशों और नियमों को ताख पर रख दिया।

## पुलिस अधीक्षक रीवा के निर्देशन में ष्ह्यश्च रितु उपाध्याय ने जिले की बस ओनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सहित बस मालिकों एवं ऑटो यूनियन के पदाधिकारी की ली बैठक



**दैनिक पुष्पांजली टुडे**

रीवा। जिसमें सभी को जागरुक करते हुए हिदायत दी गई की वर्तमान में अत्यधिक बारिश की स्थिति में सड़क पर जल भराव की स्थिति है तथा छोटे रपटा एवं पुलियों में पानी ऊपर से बहने की स्थिति में कदापि ऑटो चालक बस चालक एवं अन्य वाहन चालक रपटा या पुलिया पार नहीं करें यदि समझाइस के बाद भी पानी ऊपर से बहने के दौरान रपटा पुलिया पार किया जाता है तो संबंधित वाहन चालकों एवं वाहन स्वामी के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जावेगीबैठक में उपस्थित आरटीओ स्टाफ ने बताया कि यदि वाहन चालक इस तरह **उल्लंघन करेंगे तो उनके फिटनेस परमिट रद्द किए जाएंगे**–बैठक में यह भी बताया गया की समस्त वाहन चालक इमरजेंसी गेट एवं विंडो खोल के रखेंगे तथा फास्टेड बॉक्स व फायर एक्सटिंग्विशर एक्टिवेट मोड में रखेंगे रीवा पुलिस ने आमजन से भी आग्रह किया है की बाढ़ की स्थिति एवं झरने नदी तालाब के किनारे खड़े होकर सेल्फी लेने से परहेज करें एवं सावधानी रखें ताकि दुर्घटनाएं ना हो।

## कलेक्टर ने अरविंदों चिकित्सालय इंदौर के वरिष्ठ चिकित्सक से की वीडियो काफ्रेंसिंग से शिविर आयोजन की समीक्षा की





**दैनिक पुष्पांजली टुडे**

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल के निर्देश पर रीवा जिला मुख्यालय में 29 अगस्त से तीन दिवसीय मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जायेगा। इसी प्रकार त्योंथर में एक सितंबर को, डभौरा में 2 सितंबर को, सिरमौर में 3 सितंबर को तथा मऊगंज में 4 सितंबर को मेगा स्वास्थ्य शिविर आयोजित होगा। अरविंदों चिकित्सालय इंदौर के कुशल चिकित्सा विशेषज्ञों के दल द्वारा संभाग में असंचारी रोगों, ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, स्टोक तथा कैंसर संबंधी रोगों की स्क्रीनिंग की जाकर समुचित उपचार किया जायेगा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने अरविंदों अस्पताल के चिकित्सक डॉ. विनोद भण्डारी से शिविर आयोजन के विषय में जानकारी ली। इस दौरान बताया गया कि स्वास्थ्य शिविर में चलित डायग्नोस्टिक बसों में कैंसर स्क्रीनिंग हेतु ब्रोस्ट स्क्रीनिंग, सरवाइकल कैंसर, ओरल कैंसर की स्क्रीनिंग की जायेगी तथा मरीजों को इलाज किया जायेगा। इसी प्रकार आई क्लीनिक बस द्वारा मोतियाविंद एवं अन्य नेत्र रोग संबंधित बीमारियों की अत्याधुनिक मशीनों द्वारा जांच की जायेगी। कलेक्टर ने शिविर आयोजन के लिये व्यवस्थाओं की प्रारंभिक तैयारियों की जानकारी प्राप्त की तथा आवश्यक निर्देश दिये। कलेक्टर ने बाणसागर सभागार में आयोजित बैठक में उपस्थित चिकित्सकों को निर्देश दिये कि शिविर आयोजन से पूर्व प्री स्क्रीनिंग के लिये शिविर लगाकर चिन्हांकन करें ताकि इंदौर के चिकित्सकों द्वारा परीक्षण के समय चिन्हांकित मरीजों को बेहतर इलाज मिल सके। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी, डीन डॉ. सुनील अग्रवाल अधीक्षक डॉ. राहुल मिश्रा, डॉ. अक्षय श्रीवास्तव, डॉ. नरेश बजाज, डॉ. श्रीमती कल्पना यादव सहित चिकित्सक उपस्थित रहे। वीडियो कांफ्रेसिंग में सीएमएचओ डॉ. संजीव शुक्ला भी जुड़े

## गोदाम मैं घुसकर चोरी करने वाले चोरों को 24 घण्टे में किया गिरफ्तार,चोरी गये माल व घटना में प्रयुक्त ऑटो को किया बरामद

**अनिल कुशवाह**
**पुष्पांजलि टुडे**

शिवपुरी - दिनांक 04.08.2024 को सूचनाकर्ता जण्डेल सिंह पुत्र श्री ओमप्रकाश यादव उम्र 38 साल नि. ग्राम टोरिया जागीर थाना पोहरी ने गोदाम में घुसकर अज्ञात चोरों द्वारा सरसों एवं सोयाबीन चोरी करने की रिपोर्ट की रिपोर्ट पर से थाना पोहरी पर अप.क्र. 325/2024 धारा-331(4),305 बीएनएस का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पोहरी पुलिस द्वारा इस घटना को प्राथमिकता के आधार पर लिया और थाना प्रभारी पोहरी ने तुरंत पुलिस टीम का गठन किया गया, मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि आरोपीगण ऑटो में चोरी किये गये माल को झिरी से बेचने के लिये शिवपुरी जा रहे है। उक्त सूचना पर से ग्राम झिरी से आगे शिवपुरी रोड़ मोड़ पर वाहन



चैकिंग की गई। चैकिंग के दौरान आरोपीगण 1. अकबर उर्फ कालू खान पिता आजाद खान उम्र 30 साल नि. ग्राम झिरी, 2. हेमंत उर्फ छिनका प्रजापति पिता बहादुर प्रजापति उम्र 25 साल नि. गोपाल की चक्की के पास लुधावली शिवपुरी, 3. गोलू उर्फ अशोक रजक पिता बनवारी रजक उम्र 25 साल नि. आईटीआई के पास फोरेस्ट कालोनी शिवपुरी, 4. रविन्द्र धानुक पिता गुलाब धानुक उम्र 29 साल नि. बस स्टैण्ड के पास शिवपुरी जिला शिवपुरी को गिरफ्तार कर आरोपीगणों का धारा 23 (2) भारतीय साक्ष्य अधिनियम का मेमोरेण्डम लिया गया बाद आरोपियों के कब्जे से चोरी गया माल 04 कट्टे सरसों के, 02 कट्टे सोयाबीन कीमती करीवन 50,000/- रूपये व घटना में प्रयुक्त सीएनजी ऑटों कुल कीमती 1,00,000/- का माल मशरूका जप्त किया गया। आरोपीगणों को माननीय न्यायालय में पेश किया गया।

इस संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी पोहरी निरी. रविशंकर कौशल, उनि. रामेश्वर शर्मा, प्र.आर.160 इम्त्याज मोहम्मद, आर. 1048 कुलदीप शर्मा, आर. 116 संदीप राठौर, आर.282 दीपक राणा, आर. 1174 रामनिवास आर. 1031 हरीशंकर, आर. 1075 सूरज टेगोर की सराहनीय भूमिका रही।

## सिंध नदी पुल निर्माण में फंसे 18 मजदूर, रेस्क्यू कर सभी को सुरक्षित निकाला

**अनिल कुशवाह**
**पुष्पांजलि टुडे**

शिवपुरी - जिले की तहसील कोलारस में ग्राम भडोता में सिंध नदी पर पुल निर्माण कार्य किया जा रहा है। सिंध नदी के जल स्तर बढ़ने से रास्ता बंद हो गया जिसमें पुल निर्माण कार्य में दूसरी ओर 18 मजदूर फंसे थे। सूचना मिलते ही तत्काल प्रशासन की टीम पहुंची और एसडीआरएफ की टीम को तत्काल रेस्क्यू के लिए बुलाया गया। पुल निर्माण में फंसे 18 मजदूरों को प्रशासन पुलिस एवं बचाव दल ने सुरक्षित निकाला। मौके पर तत्काल कलेक्टर रवींद्र कुमार चौधरी और पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौर भी पहुंचे। यह सभी कोलारस में भडोता गांव के पास सिंध नदी के पुल के निर्माण में लगे थे तभी अचानक नदी में पानी ज्यादा बढ़ जाने से बीच में फंस गए थे जिन्हें सुरक्षित निकाल लिया गया है।कलेक्टर रवींद्र कुमार चौधरी ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभी पुल निर्माण कार्य जारी है और बरसात का समय है। नदी में जलस्तर भी बढ़ रहा है इसलिए सुरक्षा का ध्यान रखना जरूरी है। यहां दोनों और ड्रॉपगेट लगे जिससे इस रास्ते की ओर आने वाले लोगों को जानकारी रहे और इस प्रकार की स्थिति निर्मित ना हो।

### कर्म मैं भाग्य को पलटने की शक्ति है -

## परमात्मा को जानने की नहीं मानने की आवश्यकता है – नंदिनी भार्गव

**अनिल कुशवाह**
**पुष्पांजलि टुडे**

शिवपुरी - कैला माता मन्दिर पर सनातन धर्म मंडल एवं कैला माता जागरण समिति द्वारा आयोजित श्री मद भागवत कथा छठवें दिवस में ,वाल योगी पं. श्री बासुदेव नंदिनी भार्गव द्वारा गोवर्धनोधरण की अद्भुत लीला का वर्णन किया। जब इंद्र ने ब्रजमंडल पर कोप किया तो सब भगवान श्री कृष्णा की शरण में चले आए। और भगवान ने उनकी रक्षा की। मानो इंद्र अर्थात हमारी इंद्रियों की प्रबल आसक्ति और विषय की किसी को भी भव समुद्र में डूबा देती है इससे उबरने का बस एक ही उपाय है भगवान की शरण ले लेना। जो ठाकुर जी की शरण में आ जाता है उसे कुछ नही करना पड़ता भगवान उसका सारा भार स्वयं उठा लेते हैं। इसके बाद भगवान की दिव्य रास लीला का वर्णन श्रवण कराया एवं संध्या में सभी भक्तजनों ने बड़ी धूमधाम से भगवान श्री कृष्ण एवं रुक्मिणी जी के विवाहोत्सव का आनंद लिया।

## पोहरी एसडीएम और एसडीओपी ने किया वर्षा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा

**अनिल कुशवाह**
**पुष्पांजलि टुडे**

शिवपुरी- शिवपुरी जिले में अभी वर्षा से कई क्षेत्र प्रभावित हुए हैं। तहसील पोहरी में हुई भारी वर्षा से प्रभावित क्षेत्रों का सोमवार को संयुक्त भ्रमण एसडीएम पोहरी मोतीलाल अहिरवार और एसडीओपी सुजीत भदौरिया ने किया।अधिकारियों ने तहसील पोहरी के ग्राम अमतला का निरीक्षण कर पुलिया के पास अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही की। यह अतिक्रमण होने से सड़क पर पानी भराव हो रहा था और आवागमन नही हो पा रहा था। उन्होंने ग्राम बिलौआ में पानी के बहाव में बही आरसीसी सड़क का भी निरीक्षण किया। सड़क को पीडब्ल्यूडी द्वारा दुरुस्त किया जा रहा है। उन्होंने ग्राम बमरा पहुंचकर गुढ़ा के मध्य नाले के पास स्थित पानी में बही सड़क का भी निरीक्षण किया। इस दौरान एसडीओ पीडब्ल्यूडी को सड़क दुरुस्त करने के निर्देश दिये

## कलेक्टर ने जर्जर व अतिजर्जर भवनों को हटाने की कार्यवाही करने के दिए निर्देश

**दैनिक पुष्पांजली टुडे**

रीवा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने नगरीय व ग्रामीण क्षेत्रों में चिन्हित जर्जर व अतिजर्जर भवनों को हटाने की कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये है। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने निर्देशित किया कि रीवा नगर निगम क्षेत्र सहित नगरीय निकाय के चिन्हित अतिजर्जर भवनों को आगामी तीन दिन में हटा दिया जाय इसमें कार्यवाही कल से ही शुरू कर दें। कलेक्टर ने ग्रामीण क्षेत्रों में टीम भेजकर जर्जर व अतिजर्जर भवनों का चिन्हांकन कर उन्हें हटाने की कार्यवाही किये जाने के भी निर्देश बैठक में दिये। कलेक्टर ने रीवा नगर निगम क्षेत्र के चार जोन में चिन्हित 24 अतिजर्जर भवनों को तत्काल हटाने की कार्यवाही करने के निर्देश नगर निगम के जोन प्रभारियों को दिये। उन्होंने कहा कि जर्जर भवनों के लिये संबंधितों को नोटिस देकर सुधार करवायें अन्यथा उनको हटाने



की कार्यवाही करें। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में आरईएस के उप यंत्रियों की टीम भेजकर जर्जर व अतिजर्जर भवनों का चिन्हांकन करायें तथा ऐसी कोई भी संरचना दिखे जिससे जानमाल को नुकसान होने की आशंका हो उनको तत्काल हटवायें। कलेक्टर ने शासकीय व अशासकीय विद्यालयों के जर्जर भवनों को हटाकर मलवा साफ कराने के निर्देश दिये। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि सभी मुख्यालय में रहें तथा बा? आपदा के समय पूरी सजगता वरतें। नदी, नालों के किनारों की बसाहटों में बा? आपदा से निपटने की व्यवस्थायें दुरूस्त रखें तथा पुर्नवास स्थलों में भी सफाई पेयजल, विद्युत एवं चिकित्सा की व्यवस्थायें सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने नगर निगम क्षेत्र सहित नगरीय निकायों में अतिजर्जर भवनों को हटाने की जोनवार अब तक की कार्यवाही की जानकारी ली तथा सभी अधिकारियों को अतिवर्षा व आपदा के समय पूरी तरह अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिये। बैठक में वीडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से एसडीएम भी जु? उन्होंने अपने अनुभाग क्षेत्र में की जा रही कार्यवाही की जानकारी दी। इस दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी, संयुक्त कलेक्टर पी.के. पाण्डेय, जिला शिक्षा अधिकारी सुदामा लाल गुप्ता सहित नगर निगम के अधिकारी, नगर पंचायतों के सीएमओ, उपयंत्री तथा शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

संपादक

# राहुल बाबा की चक्रव्यूह रचना

यह समझना मुश्किल है कि कांग्रेस की विरासत ही कांग्रेस के विपरीत है या राहुल गांधी का फोकस कहीं और है। वैसे तो नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को संसद में बजट पर बोलना था, लेकिन उन्होंने महाभारत कालीन चक्रव्यूह का नया रूपक ही गढ़ दिया। हजारों साल पुराने चक्रव्यूह में अभिमन्यु को घेर कर मार दिया गया था। उसका नियंत्रण द्रोणाचार्य, कृपाचार्य, कर्ण, कृतवर्मा, अश्वत्थामा और शकुनि के हाथों में था।

राहुल गांधी के मुताबिक आज का चक्रव्यूह भी प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, सरसंघचालक मोहन भागवत, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल आदि आठ हाथों में है। दो शेष नाम देश के बड़े उद्योगपतियों के हैं, जिनका नाम सदन में नहीं लिया जा सकता था। स्पीकर ओम बिरला ने भी नियमों का हवाला दिया, लेकिन राहुल गांधी उनका एक बार नाम ले चुके थे। फिर उन्हें ए-1, ए-2 नामकरण दिया। सवाल यह है कि राहुल गांधी ने यह रूपक क्यों गढ़ा? क्या आज का चक्रव्यूह भी किसी को हताहत करने को रचा गया है? संसद में ऐसी हिंसकवादी राजनीति के कोई मायने नहीं हैं, लिहाजा स्पीकर नेता प्रतिपक्ष को बार-बार सलाह देते रहे कि एक बार और सदन के नियमों को नेता प्रतिपक्ष पढ़ लें। जाहिर है कि राहुल गांधी बार-बार नियमों का उल्लंघन करते रहे हैं। बहरहाल नए चक्रव्यूह के संदर्भ में जवाब राहुल ही देंगे, लेकिन उनकी राजनीति समझ में जरूर आती है कि 2024 के आम चुनाव की तरह वह अब भी एक नेरेटिव देश में फैलाना चाहते हैं। वह नेरेटिव भाजपा के हिंदुत्व और सवर्णवाद की काट साबित हो सकता है, ऐसी राहुल गांधी की उम्मीद है। उनकी राजनीति जातीय जनगणना की है, जबकि कांग्रेस में उनके पुरखे ऐसे जातिवाद के खिलाफ थे और ऐसी जनगणना को कभी भी लागू नहीं किया।

उन्होंने अपने 46 मिनट के भाषण का सारांश यह रखा कि गरीब, पिछड़े, दलित, युवा, किसान समेत पूरा देश भय के चक्रव्यूह में है। अग्निवीरों को भी चक्रव्यूह में फंसाया गया है। प्रधानमंत्री जिस कमल के फूल (भाजपा का चुनाव चिह्न) को लहराते रहते हैं, उसी के आकार वाला चक्रव्यूह है। यहां नेता प्रतिपक्ष ने अपनी सियासत के मुताबिक हिंदू धर्म का अपमान किया है। भाजपा ने यूं पलटवार करते हुए कहा है कि जिस फूल को ब्रह्मा जी,देवी लक्ष्मी, देवी सरस्वती ने अपना आसन बनाया, पवित्रता के प्रतीक उसी फूल को राहुल गांधी ने ह्यहिंसकह्न करार दिया। यह धार्मिक अपमान राहुल की राजनीति के मुताबिक है।

नेता प्रतिपक्ष ने बजट पर संभवतः 2.5 प्रतिशत ही बोला। सिर्फ शिक्षा का आवंटन ही उन्हें याद रहा। बजट की ह्यहलवा सेरेमनीह्न में भी उन्होंने जातिवाद को घुसेड़ कर कहा कि जो 20 अधिकारी देश का बजट तैयार करते हैं, उनमें कोई भी ओबीसी, दलित या आदिवासी अफसर नहीं है,जबकि इन समुदायों की आबादी देश की 73 प्रतिशत है। सिर्फ 2-3 प्रतिशत लोग ही ह्यहलवाह्न बनाते हैं, वे ही बांटते हैं और वे ही खा जाते हैं। देश की 73 प्रतिशत आबादी को ह्यहलवाह्न नहीं मिल रहा है। राहुल का कथन देश के संसाधनों और शक्तियों की व्याख्या कर रहा है। उनका जातिवाद भी इसी आधार पर टिका है कि जो देश में बहुसंख्यक हैं, वे ही वंचित और विपन्न हैं। शायद राहुल गांधी को यह याद नहीं रहा कि बजट से जुड़ा ह्यराजनीतिक हलवाह्न तो बीते 70 सालों से अधिक समय से बांटा जा रहा है। इस दौरान सर्वाधिक सरकारें कांग्रेस की रही हैं।

कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के दौरान 2011 की जनगणना के साथ जातीय जनगणना भी कराई गई थी। उसके आंकड़े सार्वजनिक क्यों नहीं किए गए? कर्नाटक में जब सिद्धारमैया पहली बार मुख्यमंत्री बने थे, तब उन्होंने जातीय जनगणना कराई थी। आज भी वह मुख्यमंत्री हैं, लेकिन जातीय जनगणना के आंकड़े आज तक भी जारी नहीं किए गए। कांग्रेस या राहुल गांधी स्पष्ट कर सकते हैं कि उनके जातिवाद का यथार्थ क्या है? राहुल गांधी ने यह भी दावा किया है कि जो मध्यवर्ग प्रधानमंत्री मोदी की राजनीति का समर्थक था, आज वह ह्यइंडियाह्न की तरफ आ रहा है, क्योंकि मध्यवर्ग की पीठ और छाती में छुरा घोंपा गया है। सरोकार राहुल के चक्रव्यूह से है कि उसके मायने क्या हैं?

## महाराष्ट्र में देवेन्द्र फडणवीस से क्यों डरा रहता है विपक्ष?

**आर.के. सिन्हा**

लोकसभा चुनावों के नतीजे आने और केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार सरकार बनने के बाद अब महाराष्ट्र विधानसभा के आगामी अक्टूबर के महीने होने वाले चुनाव हैं। भारत की मजबूत होती अर्थव्यवस्था की जान है महाराष्ट्र। इसलिए सारे देश की निगाहें महाराष्ट्र पर लगी रहती हैं। वहीं राज्य विधानसभा चुनाव से पहले राज्य की राजनीति भी गरमा चुकी है। आरोप-प्रत्यारोप के नियमित दौर चल रहे हैं। महाराष्ट्र का विपक्ष महाविकास आघाडी राज्य के उस नेता पर आरोप लगा रहे हैं, जिसने राज्य का मुख्यमंत्री रहते हुए प्रदेश का चौतरफा विकास करवाया। हम बात कर रहे हैं महाराष्ट्र के शिखर भाजपा नेता और वर्तमान उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की। देवेंद्र फडणवीस राज्य के एक बड़े नेता होने के साथ ही काफी दूरदर्शी और अनुभवी रणनीतिकार के रूप में भी जाने जाते हैं। वह कई बार मुश्किलों में फँसी पार्टी को बाहर निकालकर अपनी योग्यता साबित कर चुके हैं।

# बादल का फटना

असुरक्षित है हर घर का दरवाजा,
बिना पेड़ों के हम कमजोर,
आपदाओं के हाथ में हमारी डोर,
इस ओर सबके ध्यान का हटना,
वर्षा ऋतु में बादल का फटना।
होते हैं तबाह अनगिनत घर,
काफी तादाद में इंसान रहे मर,
बहते घर गाड़ी जैसे खिलौने,
काम इंसान के हुए घिनौने,
छोड़ काटना पेड़ हरा,
जीवन से बचना तो कर हरी भरी धरा,
आम हुई है अब हर घटना,
वर्षा ऋतु में बादल का फटना।
नहीं मिलता मौका संभलने का,
पल भर में तबाह होना अपनों का,
छोड़ जाते हैं भयाभय बादल सूनापन,
प्रकृति प्रेम से जगाना होगा अपनापन,
चिंतन से अवश्य निकलता है हल,
पौधरोपण से उज्जवल भविष्य कल,
नित आपदाओं से अगर बचना
नहीं होगा फिर बादल का फटना।

सूखे से कहीं किसान बेहाल,
मजदूर हुआ पड़ा फटेहाल,
आम हो गया है बिजली का गिरना,
खोखले होते पहाड़ों का फिसलना,
जीवन हुआ पड़ा है सस्ता,
नहीं है जिंदगी का सुगम रास्ता,
गिन- गिन कर लोगों का दिन कटना,
वर्षा ऋतु में बादल का फटना।
विज्ञान ने भले ही की खूब तरक्की,
फिर भी हुई मानव हक्की बक्की,
यह हमारी गलतियों का ही खामियाजा,

**-डॉ विनोद कुमार शर्मा, चंडीगढ़।**

# नई बुलंदी पर भारत-वियतनाम संबंध

**- अरविंद जयतिलक**
**(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)**

वियतनाम के प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चिन्ह की भारत यात्रा दोनों देशों के सभ्यतागत संबंधों में मिठास घोलने वाला है। दोनों देशों ने आपसी संबंधों को परवान चढ़ाते हुए कई अहम समझौते को आकार दिया है। निःसंदेह इन समझौतों से दोनों देशों की आर्थिक गतिविधियों को पंख लगना तय है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में हमने अपने संबंधों को व्यापक आयाम दिया है। आज उसी का नतीजा है कि हमारे द्विपक्षीय व्यापार में 85 फीसद से अधिक की बढ़ोत्तरी हुई है। दोनों देशों के बीच 300 मिलियन डॉलर की क्रेडिट लाइन पर सहमति बनी है। इससे वियतनाम की मेरीटाइम सिक्योरिटी मजबूत होगी। इसके अलावा एनर्जी, टेक्नालॉजी, कृषि, मत्स्य पालन जैसे कई मसलों पर भी सहमति बनी है जिससे विकास देशों के आर्थिक कारोबार को गति मिलेगी। दोनों देश इस बात पर भी सहमत हैं कि आपसी व्यापार को और अधिक गति देने के लिए आसियान-इंडिया टेज्ड इन गुड्स एग्रीमेंट की समीक्षा की जानी चाहिए। डिजिटल पेमेंट कनेक्टिविटी के लिए भी दोनों देशों के सेंट्रल बैंकों के बीच करार हुआ है। दोनों देश ग्रीन इकॉनामी और न्यू इमर्जिंग टेक्नॉलाजी क्षेत्र में मिलकर काम करने को तैयार हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने वियतनाम और भारत के परंपरागत संबंधों का हवाला देते हुए कहा कि बौद्ध धर्म दोनों देशों की साझा विरासत है। दोनों देश के लोग आध्यात्मिक चेतना से जुड़े हैं। उन्होंने वियतनाम के नागरिकों और युवाओं का आह्वान किया कि वे भारत के बौद्ध सर्किट के अलावा नालंदा विश्वविद्यालय का लाभ उठाएं। प्रधानमंत्री मोदी ने वियतनाम की महत्ता को रेखांकित करते हुए स्पष्ट किया कि वह हमारी एक्ट ईस्ट पॉलिसी और हमारे इंडो-पैसिफिक विजन का महत्वपूर्ण साझीदार है। प्रधानमंत्री मोदी ने सीडीआरआई में शामिल होने के लिए भी वियतनाम के निर्णय की सराहना की। उन्होंने भरोसा दिया कि भारत फ्री, ओपन रुल्स बेस्ड और समृद्ध इंडो-पैसिफिक के लिए अपना सहयोग जारी रखेगा। दोनों देशों के बीच बढ़ती प्रगाढ़ता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि दोनों देशों ने वर्ष 2017 को ह्यमित्रता वर्षह्न के रुप में मनाया। अतीत में जाएं तो दोनों देश लंबे समय से ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, आर्थिक व सामरिक संबंधों के डोर से बंधे हुए हैं। दोनों देशों ने औपनिवेशिक सत्ता के खिलाफ संघर्ष किया और दोनों ही ह्यनामह्न के सदस्य हैं। जिस समय वियतनाम फ्रांसीसी उपनिवेश के विरुद्ध संघर्ष कर रहा था उस समय भारत ने उसका भरपूर सहयोग किया। कंबोडिया के ख्मेर रॉग शासन के विरुद्ध भी भारत ने वियतनाम का समर्थन किया। जहां तक आर्थिक-कारोबार का संबंध है तो द्विपक्षीय सहयोग के लिए संस्थागत प्रक्रिया के रुप में दोनों देश एक आर्थिक, वैज्ञानिक व प्रौद्योगिकी सहयोग के लिए वर्षों पहले संयुक्त आयोग की स्थापना कर चुके हैं। उसी का नतीजा है कि भारत-वियतनाम द्विपक्षीय व्यापार विगत वर्षों में तेजी से प्रगति कर रहा है। बता दें कि इसके क्रियान्वयन के लिए कार्यवाही योजना पर 2004 में हस्ताक्षर किए गए थे। दोनों देशों द्वारा 2003 के समझौते में अंतर्राष्ट्रीय मामलों पर एकदूसरे के हितों के संरक्षण में सहायता देने के लिए संयुक्त राष्ट्रसंघ तथा अन्य अंतराष्ट्रीय समुदाय में एकदूसरे का मदद का भरोसा दिया गया। अच्छी बात यह है कि दोनों एकदूसरे की कसौटी पर खरा उतर रहे हैं। वियतनाम लगातार भारत के नाभिकीय उर्जा के शांतिपूर्ण प्रयोग के रुख का समर्थन किया है और साथ ही संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थक भी है। भारत भी विश्व व्यापार संगठन में वियतनाम के प्रवेश का समर्थन कर चुका है। दोनों देश गंगा-मेकांग सहयोग में भी शामिल हैं तथा निवेश में रुचि दिखा रहे हैं जिससे आज आसियान में वियतनाम भारतीय विदेशी प्रत्यक्ष निवेश का सर्वाधिक प्राप्तकताओं वाले देशों में शुमार हो गया है। दोनों देश उर्जा के क्षेत्र में भी बढ़-चढ़कर एकदूसरे का सहयोग कर रहे हैं। वियतनाम उर्जा समृद्ध देश है वहीं भारत को उर्जा की अधिक आवश्यकता है। तेल और गैस के उत्पादन में वियनतनाम एक अग्रणी देश है और उसके समर्थन-सहयोग से भारत की ओएनजीसी कंपनी वहां तेल व गैस की खोज में लगी हुई है। ओएनजीसी और पेट्रोवियतनाम पेट्रोलियम भागीदारी समझौता कर चुके हैं। वियतनाम भारत की तीन परियोजनाओं में 26 मिलियन डॉलर का निवेश कर रखा है। इसमें ओएनजीसी, एनआइवीएल, नगोन कॉफी, टेक महिंद्रा एवं सीसीएल शामिल हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भी दोनों देश एकदूसरे का सहयोग कर रहे हैं। भारत सरकार प्रत्येक वर्ष वियतनामी छात्रों और शोधकताओं को भारतीय संस्थाओं में अध्ययन के लिए हजारों हजारों छात्रवृत्तियां प्रदान कर रही हैं। इसके अतिरिक्त भारत वियतनाम के आईटी क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने में सहायता कर रहा है। मौजूदा समय में भारत तेजी से ज्ञान अर्थव्यवस्था के रुप में उभर रहा है और यह ज्ञान क्षेत्र में वियतनाम के मानव संसाधन क्षेत्र को प्रशिक्षित कर सकता है। दोनों देशों के बीच समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में असीम संभावनाएं हैं। दोनों देश एकदूसरे की मदद से समुद्री मार्गों को सुरक्षित कर सकते हैं और साथ ही समुद्री डकैतियों को रोक सकते हैं।

गौरतलब है कि वियतनाम अपने ह्यकॉन-रैन्थ-हार्बरह्न में सैनिक अड्डा स्थापित करने के लिए भारत को आमंत्रित कर चुका है। यह अड्डा पहले सोवियत अड्डा था। अगर भारत इसमें रुचि दिखाता है तो निःसंदेह दक्षिण चीन सागर में चीनी गतिविधियों पर नजर रखने में मदद मिलेगी। यह तथ्य है कि भारत और वियतनाम दोनों दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती गतिविधियों को लेकर चिंतित हैं। दक्षिण चीन सागर के कुछ द्वीपों को लेकर भी चीन व वियतनाम के बीच तनातनी बनी हुई है। वियतनाम का कहना है कि ऐतिहासिक रुप से इस क्षेत्र पर उसका दावा है। उसके मुताबिक 17 वीं शताब्दी तक पैरासेल्स और स्पार्टलेज उसके अधीन थे। वियतनाम का तर्क यह भी है कि जब 1940 तक चीन द्वारा इस क्षेत्र पर अपना दावा नहीं जताया गया तो फिर वह किस मुंह से अब इस पर दावा जता रहा है। गौरतलब है कि 1947 में चीन ने पैरासेल्स को वियतनाम से छिन लिया और इसे बचाने में तकरीबन 6 दर्जन वियतनामी सैनिक शहीद हुए थे। 1988 में भी दोनों देशों के बीच संघर्ष हुआ जिसमें कई मछुवारे मारे गए। सच कहें तो आज की तारीख में दक्षिण चीन सागर में चीन के विस्तार के कारण वियतनाम दबाव में है। देखा भी गया कि गत वर्ष पहले उसने दक्षिण चीन सागर मसले पर अंतर्राष्ट्रीय अदालत के फैसले को मानने से इंकार कर दिया। चीनी राष्ट्रपति शी चिनपिंग ने धमकी भरे अंदाज में कहा कि उनका देश किसी भी सूरत में अंतर्राष्ट्रीय न्यायाधिकरण के फैसले को स्वीकार नहीं करेगा। उल्लेखनीय है कि सभी तथ्यों के आलोक में ही पांच सदस्यीय अंतर्राष्ट्रीय न्यायाधिकरण ने सागर पर उसके दावे का खारिज किया और उसे दोषी ठहराते हुए कहा कि उसने इस इलाके में निर्माण करके नियमों का उलंघन किया है और फिलीपींस को समुद्र से तेल निकालने से रोका है। चीन की हठधर्मिता को देखते हुए वियतनाम का चिंतित होना लाजिमी है। लिहाजा ऐसे में वह अपने बचाव के लिए भारत के पाले में खड़ा होना चाहता है। अच्छी बात है कि भारत भी उसकी मदद के लिए तैयार है। वियतनाम चीन के दबाव से बचने के लिए 2011 से ही भारत से ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने को आतुर है। चूंकि भारत अब एमटीसीआर का पूर्णकालिक सदस्य बन चुका है ऐसे में वह वियतनाम से ब्रह्मोस मिसाइल का सौदा कर सकता है। अगर भारत वियतनाम को ब्रह्मोस मिसाइल बेचता है तो निःसंदेह चीन की परेशानी बढ़ेगी।

गौर करें तो भारत और वियतनाम की निकटता विस्तारवादी चीन के लिए एक कड़ा संदेश यानी ह्यजैसे को तैसाह्न वाला सबक है। चीन को समझना होगा कि वह अपनी धौंसबाजी से वियतनाम को डरा नहीं सकता। उसे एक अच्छे-सच्चे पड़ोसी की तरह आचरण करना होगा। इसलिए और भी कि भारत वियतनाम के साथ है और उसके साथ किसी भी तरह की सीनाजोरी पर भारत अपनी आंख बंद नहीं कर सकता। भारत और वियतनाम की बढ़ती निकटता से उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में दोनों देश कुटनीतिक, व्यापारिक व सामरिक साझेदारी का एक नया अध्याय लिखेंगे और समान रणनीतिक हित के मुद्दे पर एकदूसरे का पूरक बनेंगे।

## लोक सभा अध्यक्ष विवादों में क्यों?

**-विनीत नारायण**

भारतीय लोकतंत्र की परंपरा काफी सराहनीय रही है। लोक सभा भारत की जनता की सर्वोच्च प्रतिनिधि सभा है जहां देश के कोने-कोने से आम जनता द्वारा चुने हुए प्रतिनिधि अपने क्षेत्र, प्रांत व राष्ट्र के हित में समस्याओं पर विमर्श करते हैं। लोकतंत्र में सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच लगातार नोक-झोंक का चलना बहुत सामान्य व स्वाभाविक बात है। सत्तापक्ष अपनी छवि बढ़ा-चढ़ा कर पेश करता है तो विपक्ष उसे आईना दिखाने का काम करता है। इससे मुद्दों पर वस्तु स्थिति स्पष्ट होती है। इस नोक-झोंक का कोई बुरा नहीं मानता। क्योंकि आज जो सत्ता में हैं, कल तक वो विपक्ष में थे और तब वे भी यही करते थे जो आज विपक्ष कर रहा है। जो आज सत्ता में हैं कल वो विपक्ष में होंगे और फिर वे भी वही करेंगे। लेकिन इस नोक-झोंक की सार्थकता तभी है जब वक्ताओं द्वारा मर्यादा में रह कर अपनी बात रखी जाए। जब तक संसदीय कार्यवाही का टीवी पर प्रसारण नहीं होता था, तब तक देश की जनता को यह पता ही नहीं चलता था कि उनके चुने हुए प्रतिनिधि संसद में कैसा व्यवहार कर रहे हैं? उन्हें यह भी नहीं पता चलता था कि वे संसद में किन मुद्दों को उठा रहे हैं? अक्सर ऐसे मामले भी सामने आए हैं जब सांसदों ने आर्थिक लाभ की एवज में बड़े औद्योगिक घरानों के हित में सवाल पूछे। वरिष्ठ पत्रकार ए सूर्यप्रकाश ने तीस वर्ष पहले ऐसे लेखों की श्रृंखला छापी थी जिसमें सांसदों के ऐसे आचरण का खुलासा हुआ और देश ने पहली बार जाना कि ह्यसंसद में सवाल बिकते हैं। पर जब से टीवी पर संसदीय कार्यवाही का प्रसारण होने लगा तब से आम देशवासियों को भी ये देखने को मिला कि हमारे सांसद सदन में कैसा व्यवहार करते हैं। बिना अतिशयोक्ति के ये कहा जा सकता है कि प्रायः कुछ सांसद जिस भाषा का प्रयोग आजकल करने लगे हैं उसने शालीनता की सारी सीमाएँ लांघ दी है। शोर-शराबा तो अब आम बात हो गई है। ऐसा नहीं है कि संसद में ये हुड़दंग केवल भारत में ही देखने को मिलता है। यूरोप सहित दुनिया के अनेक देशों से ऐसे वीडियो आते रहते हैं, जिनमें सांसद हाथापाई करने और एक दूसरे पर कुर्सियाँ और माइक फेंकने तक में संकोच नहीं करते। सोचिए इसका देश के बच्चों और युवा पीढ़ी पर क्या प्रभाव पड़ता होगा? सोचने वाली बात ये भी है कि संसद की कार्यवाही पर इस देश की गरीब जनता का अरबों रुपया खर्च होता है। एक आँकलन के अनुसार संसद चलने का प्रति मिनट खर्च ढाई लाख रुपये से थोड़ा अधिक आता है। इसका सदुपयोग तब हो जब गंभीर चर्चा करके जनता की समस्याओं के हल निकाले जाएँ। जिस तरह एक विद्यालय में शिक्षक कक्षा के सक्षम और योग्य छात्र को क्लास का मॉनिटर बना देते हैं, जिससे वो कक्षा में अनुशासन रख सके। उसी तरह लोक सभा के सांसद भी अपना मॉनिटर चुनते हैं जो लोक सभा की कार्यवाही का संचालन करता है। आजतक हमारी लोक सभा का यह इतिहास रहा है कि लोक सभा के अध्यक्षों ने यथा संभव निष्पक्षता से सदन की कार्यवाही का संचालन किया। उल्लेखनीय है कि 15वीं लोक सभा के तत्कालीन अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी ने अपने ही दल के विरुद्ध निर्णय दिये थे जिसका खामियाजा भी उन्हें भुगतना पड़ा । उन्हें दल से निष्कासित कर दिया गया। पर उन्होंने अपने पद की मयार्दा से समझौता नहीं किया। लेकिन पिछले दस वर्षों से लोक सभा के वर्तमान अध्यक्ष ओम बिरला जी लगातार विवादों में रहे हैं। उन पर सत्तापक्ष के प्रति अनुचित झुकाव रखने का आरोप विपक्ष लगातार लगाता रहा है। 17वीं लोक सभा में तो हद ही हो गई जब सत्तापक्ष के एक सांसद ने विपक्ष के सांसद को सदन की कार्यवाही के बीच बहुत ही अपमानजनक गालियाँ दी। अध्यक्ष ने उनसे वैसा कड़ा व्यवहार नहीं किया जैसा वो लगातार विपक्ष के सांसदों के साथ करते आ रहे थे। तब तो और भी हद हो गई जब उन्होंने विपक्ष के 141 सांसदों को सदन से निष्कासित कर दिया।

# क्या नासा से बेहतर है अपना 'इसरो'

भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी 'इसरो' जहां एक ओर वर्ष 2028 में चंद्रयान-4 मिशन को लांच करने की तैयारी कर रहा है, वहीं दूसरी ओर अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी 'नासा' ने अपने महत्वकांक्षी चंद्र मिशन को रद्द कर दिया है। इसके पीछे आखिर कारण क्या हैं भारत अपने चंद्र मिशन 'चंद्रयान-4' के तहत जहां चंद्रमा की चट्टानों और वहां की मिट्टी को इकट्ठा कर-के उन्हें वापस धरती पर लाने की दिशा में लगातार कार्य कर रहा है, वहीं अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी 'नासा ' ने इस बात को लेकर संपूर्ण विश्व को चौंकाया है कि चांद के दक्षिणी ध्रुव पर बर्फ और अन्य संसाधनों की खोज के लिए प्रस्तावित आर्टेमिस चंद्र रोवर (वीआईपीईआर) मिशन पर नासा लगभग 450 मिलियन डॉलर (37 हजार 650 करोड़ रुपए) खर्च कर चुका है और कुल लागत 610 मिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जो कि वास्तव में एक बहुत बड़ी धनराशि है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार वीआईपीईआर को पहले वर्ष 2023 में लॉन्च करने की योजना थी, लेकिन वर्ष 2022 में नासा ने इसे वर्ष 2024 के अंत तक टाल दिया, ताकि ग्रिफिन लैंडर वीकल के प्री-फ्लाइट टेस्ट के लिए ज्यादा समय मिल सके। इसके बाद लॉन्चिंग की तारीख वर्ष 2025 तक बढ़ाई गई और अब इसे रद्द करना पड़ा है। अनुमान के मुताबिक मिशन के पूर्ण होने तक इसकी लागत 609.6 मिलियन डॉलर (50, 950 करोड़ रुपए) तक पहुंच जाती। बहरहाल, यदि हम यहां बजट की बात करें तो वित्तीय वर्ष 2023 और 2024 के लिए नासा का बजट क्रमशः 25.4 बिलियन डालर तथा वित्तीय वर्ष 2024 के लिए 24.875 बिलियन डालर है। यहां यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि वित्त वर्ष 2024 का बजट पिछले वर्ष के बजट से 2% कम है। बिडेन प्रशासन ने 2024 के वित्तीय वर्ष के लिए 27.2 डालर बिलियन का बजट प्रस्तावित किया था, जो 2023 की तुलना में 7.1% अधिक है। वहीं दूसरी ओर इस साल फरवरी में घोषित अंतरिम बजट में भारत सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अंतरिक्ष विभाग को 13,042.75 करोड़ रुपये आवंटित किए। यह पिछले वर्ष के बजट से 498.84 करोड़ रुपये की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है। हालांकि, यहां यह बात उल्लेखनीय है कि 'इसरो' के पास 'नासा' या विश्व की बाकी अन्य एजेंसियों की तरह ढेर सारे संसाधन और बहुत बड़ा बजट उपलब्ध नहीं है, लेकिन सीमित बजट में ही प्रतिभाशाली वैज्ञानिकों, तकनीकी, लगातार मेहनत से हमारा इसरो अपने लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल कर रहा है। कम बजट में भी बेहतरीन परिणाम इसरो के वैज्ञानिक देते रहे हैं और इस वजह से इसरो पूरी दुनिया के लिए उदाहरण बन गया है। हालांकि यहां यह भी उल्लेखनीय है कि विकासशील देश की दृष्टि से इसरो के लिए सरकार के पास फंड की कोई कमी नहीं है, लेकिन विकसित देश अमेरिका की तुलना में हमारे देश का स्पेस बजट कम ही है। जिस प्रकार से अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी ने अपने चंद्र मिशन को रद्द किया है, उससे यह प्रतीत होता है कि अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा फंड की किल्लत का सामना कर रही है। न सिर्फ उसका बजट घटता जा रहा है। अलबत्ता, उसे अपने स्पेस प्रोग्रामों के लिए जितना पैसा चाहिए वह भी नहीं मिल पा रहा है। एक जानकारी के अनुसार नासा ने वित्त वर्ष 2024 (अक्टूबर 2023 - सितंबर 2024) में अपने सभी मिशन, स्पेस एक्सप्लोरेशन और ऑपरेशन के लिए लगभग 27 अरब डॉलर का अनुरोध किया था। लेकिन, इसके मुकाबले उसे लगभग 9% कम रकम मिली। पिछले वर्ष की तुलना में यह 2% कम थी। अब वित्त वर्ष 2025 के लिए उसने जो बजट अनुरोध रखा है, वह पिछले साल की मांग से 2 अरब डॉलर कम है। वास्तव में, यहां यह बात सोचनीय है कि आखिर नासा को अपने स्पेस कार्यक्रम के लिए जितने पैसे की जरूरत है उतना उसे क्यों नहीं मिल पा रहा है शायद इसके पीछे कारण अमेरिकी सरकार पर कर्ज का बोझ हो सकता है। इधर यदि हम इसरो की बात करें तो हमारे देश का इसरो अंतरिक्ष कार्यक्रमों के मामले में कभी भी किसी देश के साथ होड़ नहीं करता बल्कि वह तो अपनी प्रतिभा, लगन व जुनून में विश्वास करता है और कम लागत में भी बेहतरी को अग्रसर है। यह हम भारतीयों को गौरवान्वित महसूस कराता है। यहां पाठकों को यह जानकारी देना चाहूंगा कि विकासशील देश होते हुए भी हमारे यहां स्पेस मिशन के लिए बजट की भी कोई कमी नहीं है। उल्लेखनीय है कि नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन' की स्थापना वर्ष 1958 में जबकि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की स्थापना वर्ष 1969 में हुई थी। इसरो के संस्थापक विक्रम साराभाई थे। पाठकों को यह जानकर आश्चर्य होगा कि इसरो दुनिया की सबसे कम लागत वाली अंतरिक्ष एजेंसी है। हमारा देश जुनून, मेहनत में विश्वास करता है। सच तो यह है कि भारत की स्पेस एजेंसी 'इसरो' की सफलता की वजह ही, 'प्रतिभा, लगन और जुनून' है । पाठकों को याद होगा कि चंद्रयान-3 मिशन की सफलता के बाद भारतीय स्पेस एजेंसी इसरो का डंका पूरी दुनिया में बज रहा है। आने वाले समय में इसरो की योजना मंगलयान-2 और शुक्र मिशन जैसे प्रोग्रामों को अंजाम तक पहुंचाने की है। सूर्य मिशन पर भी काम किया जा रहा है। कहना गलत नहीं होगा कि चंद्रयान-3 की सफलता के बाद एक बार फिर अंतरिक्ष के क्षेत्र में पूरी दुनिया हमारा लोहा मान गई है। हालांकि, अंतरिक्ष और विज्ञान से जुड़ा दूसरा बड़ा नाम दिमाग में 'नासा' का ही आता है, जो अमेरिका की स्पेस एजेंसी है। इसरो के सभी सफल स्पेस मिशन्स के बाद यह चर्चा भी जोर पकड़ती है कि क्या इसरो नासा को टक्कर दे रहा है, या फिर कम बजट और संसाधनों के बावजूद अंतरिक्ष में सफलता पाने वाला इसरो नासा से बेहतर है। नासा और इसरो के अलावा भी रूस और चीन जैसे देशों की स्पेस एजेंसियां अंतरिक्ष विज्ञान में नए-नए प्रयोग कर रही हैं, लेकिन नासा का नाम सबसे ऊपर है। अब सामने आ रहा है कि एक से एक महंगे मिशन भेज चुका नासा इस बार आर्टेमिस मिशन को आगे बढ़ाने के पक्ष में नहीं है और इधर खर्च के लिहाज से इसरो ने नासा के मुकाबले काफी कम कीमत पर बड़ी सफलता हासिल की है क्योंकि जिस चंद्र मिशन पर अमरीका अब तक 37 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च कर चुका, इतने में भारत 1200 बार चंद्रमा पर अपना मिशन भेज सकता है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की ओर से पिछले वर्ष भेजे चंद्रयान-3 पर लगभग 615 करोड़ रुपए की लागत आई थी। सच में अंतरिक्ष के क्षेत्र में इसरो का कोई जबाब नहीं है। आने वाले समय में इसरो और भी अधिक अंतरिक्ष उपलब्धियों के साथ विश्व में सबसे आगे होगा, ऐसा विश्वास ही नहीं बल्कि पूर्ण आशा है।

**सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कालमिस्ट व युवा साहित्यकार।**

# खरगोन पुलिस ने मंदिरों मे चोरी करने वाली गैंग का किया पर्दाफाश

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

दिनांक 31.07.24 -01.08.24 की मध्य रात्री को लूला बाबा मंदिर स्थित अज्ञात आरोपीयो ने दिया था चोरी की घटना को अंजाम

चोरी करते हुए 03 आरोपी सीसीटीव्ही फुटेज मे हुए थे कैद

सीसीटीव्ही फुटेज मे दिखाई दिए व्यक्तियों के हुलिये के आधार पर पुलिस ने आरोपियों को किया गिरफ्तार

तीनों आरोपी भगवानपुरा थाना क्षेत्र के रहने वाले

आर्थिक तंगी दूर कर महंगे शौक पूरा करने के लिए मंदिरों मे चोरी कर देते थे घटना को अंजाम

आरोपियों द्वारा बड़वानी जिले के 02 मंदिरों मे चोरी करना भी किया स्वीकार

आरोपियों द्वारा आने जाने के लिए चोरी की मोटरसाइकल का किया उपयोग

आरोपियों से लूला बाबा मंदिर चोरी का सम्पूर्ण माल सहित कुल मशरुका कीमती लगभग 70,000/- रुपये का जप्त

आरोपियों से जिला खरगोन के 03 अपराध व जिला बड़वानी के 02 अपराधों का खुलासा

पुलिस महानिरीक्षक इंदौर जोन इन्दौर (ग्रामीण) श्री अनुराग एवं पुलिस उप पुलिस महानिरीक्षक निमाड रेंज खरगोन श्री अतुल सिंह द्वारा जिला खरगोन में संपत्ति संबंधी अपराध पर अंकुश लगाने के निर्देश दिये गये थे । वरिष्ठ अधिकारियो से प्राप्त निर्देशों के परिपालन में पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री धर्मराज मीना व अति. पुलिस अधीक्षक (शहर) श्री तरूणेन्द्रसिंह बघेल, अति.पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) श्री मनोहरसिंह बारीया व समस्त अनुविभागीय अधिकारी पुलिस व थाना प्रभारियों को प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था । इसी तारतम्य मे थाना मैंनगाँव के द्वारा मंदिरों मे चोरी करने वाली गैंग को पकड़ने मे पाई सफलता ।

**घटना का संक्षिप्त विवरण**-दिनांक 01.08.24 को थाना मैंनगाँव पर सूचना प्राप्त हुई कि, दिनांक 31.07.24 -01.08.24 की मध्य रात्री को लूला बाबा मंदिर मे अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है व मंदिर से दान पेटी मे रखी नगदी व भगवान की पीतल की मूर्तिया चुरा कर ले गए है । उक्त सूचना पर से थाना मैंनगाँव पर अपराध क्रमांक 267/24 धारा 331(4), 305 ए बीएनएस का पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया ।

लूला बाबा मंदिर मे चोरी की घटना व आम जन की आस्था से जुड़ा मामला होने से हुए पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री धर्मराज मीना के निर्देशन में अति.पुलिस अधीक्षक (शहर) श्री तरुनेन्द्र

सिंह बघेल एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अनुभाग खरगोन श्री रोहित लखारे के मार्गदर्शन मे थाना प्रभारी मैंनगाँव श्री कैलाश चौहान व चौकी प्रभारी जेतापुर श्री सुदर्शन कलोसिया के नेतृत्व मे पुलिस टीम का गठन किया जाकर उक्त चोरी के प्रकरण के खुलासे व आरोपियों की शीघ्र से शीघ्र गिरडूतारी कर प्रकरण का खुलासा करने हेतु निर्देशित किया गया था । गठित पुलिस टीम के द्वारा मंदिर मे हुई चोरी की घटना मे शामिल व्यक्तियों की जानकारी निकालने के लिए मंदिर मे लगे सीसीटीव्ही कैमरा फुटेज खंगाले गए जिसमे पुलिस टीम को घटना मे 03 व्यक्तियों के शामिल होने का सुराग मिला । फुटेज मे दिखाई दे रहे संदिग्ध व्यक्तियों की जानकारी निकालने के लिए गठित पुलिस टीम के द्वारा मुखबिरों को सक्रिय कर चोरी से जड़ी जानकारी जुटाने के लिए लगाया गया । परिणामस्वरूप मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि, उक्त चोरी मे शामिल तीनों व्यक्ति मोटरसाइकल से खरगोन से कसरावद तरफ जाने वाले है । उक्त प्राप्त सूचना पर तत्काल पुलिस टीम के द्वारा नाकाबंदी कर चेकिंग लगाई गई व मुखबिर के बताए अनुसार 03 व्यक्तियों को बिना नंबर की मोटर साइकल से जाते हुए पकड़ा नाम पता पूछने पर उन्होंने अपने नाम शोयब उर्फ सौरभ, राकेश, रवि उर्फ वैचानिया बताया । तीनों लड़कों के पास रखे बैग को चेक करने पर उसमे मंदिर की दान पेटी से चुराए हुए रुपये मिले जिन्हे आरोपियों से जप्त कर तीनों के पृथक पृथक मेमोरेंडम के आधार पर भगवान की की मूर्तिया को जप्त किया गया ।

आरोपियों ने पूछताछ मे बताया कि आर्थिक तंगी दूर करने व अपने महंगे शौक पूरा करने के लिए मंदिरों मे चोरी की घटना को अंजाम देते है और वहाँ से मिले रुपये आपस मे बराबर बाट लेते है ।

**आरोपियों से घटनाओ का खुलासा**

1.थाना मैंनगाँव के लूला बाबा मंदिर मे चोरी अपराध क्रमांक 267/24 धारा 331(4), 305 ए बीएनएस

2.थाना मैंनगाँव बकरा चोरी अपराध क्रमांक 56/24 धारा 457, 380 भादवि

3.थाना सेंधवा ग्रामीण जिला बड़वानी अपराध क्रमांक 451/24 धारा 305 डी बीएनएस

4.थाना उन मोटरसाइकल चोरी अपराध क्रमांक 240/24 धारा 331(4), 305 ए बीएनएस

5.थाना वरला जिला बड़वानी की मंदिर चोरी की घटना

**गिरफ्तारशुदा आरोपियों के नाम**

1.शोयब उर्फ सौरभ पिता डोमसिंग डावर उम्र 21 वर्ष निवासी भगवानपुरा

2.राजेश पिता अमरसिंह बड़ोले उम्र 19 वर्ष निवासी पिपलियाबावड़ी भगवानपुरा

3.रवि उर्फ वैचानिया उम्र 20 वर्ष निवासी पिपलियाबावड़ी भगवानपुरा

## गरियाबंद जिले के ग्राम बोरसी के राजिम से फिंगेश्वर जाने वाली सड़क काफी जर्जर हो गई है।

**टीकम चक्रधारी**

सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन चुके हैं। अब बरसात का सीजन होने के कारण इन गड्ढों में पानी भरने से दुर्घटना की आशंका भी बढ़ गई है। सड़क की इस स्थिति से नागरिक खासे नाराज हैं। बार-बार गुहार लगाने के बावजूद भी सड़क नहीं सुधर पाई हैबता दे की ये सड़क राजिम से होते हुए फिंगेश्वर और महासमुंद को जोड़ती है जिसपे रोजना भारी वजनी वाहनो का आना जाना लगा रहता है ऐसे में इस सड़क का दुरुस्त होना अनिवार्य हैगांव-गांव में आवागमन के लिए सड़कें बनाई । रहीं हैं। पर देखरेख के अभाव एवं गुणवत्ता में कमी के चलते ये सड़कें समय से पहले ही जर्जर हो रहीं हैं और अब ये जनता के लिए परेशानी का सबब बनकर आए दिन दुर्घटना को आमंत्रित करते रहती हैं। मजबूरी में जनता उन बदहाल सड़कों पर जान जोखिम में डाल कर यात्रा करने को मजबूर है। खास बात तो यह है कि इन सड़कों पर विकास का वादा करने वाले जनप्रतिनिधि भी यात्रा करते हैं। पर वे भी पद में आने के बाद अपने वादे भूल जाते हैं इस क्षेत्र के ग्रामीणों ने कई बार जनप्रतिनिधियों को इस सड़क के सुधार करने की मांग की। पर आज तक न तो सड़क सुधरी और न ही लोगों को राहत मिली। जिसके कारण इस क्षेत्र के ग्रामीण व्यथित हैं। सड़क की उपेक्षा से यह साबित हो जाता है कि उच्च पदों पर बैठे अधिकारी ऐसे मामलों में कितने संवेदनशील हैं।

## घर को स्वर्ग बनाने के लिए रिश्तों का ध्यान रखना जरूरी- संत शीतल राजाराम

**दैनिक पुष्पाजंली टुडे**

बेंगलूरू- मागडी रोड अग्रहारा दासरहल्ली स्थित रामदेव प्रार्थना मंदिर में चातुर्मास विराजित संत शीतल राजाराम ने अपने प्रवचन में श्रद्धालुओं को रिश्तों को संभालना सिखाया। उन्होंने कहा कि गाड़ी को मैनेज करना आता है, मोबाइल को मैनेज करना आता है बिजनेस को मैनेज करना आता है ग्राहक को मैनेज करने मे आप परफेक्ट हो पररिश्तेदार को मैनेज किया। रिश्ते दो प्रकार है जन्म से पत्नी, मित्र आदि। पहले के जमाने में बड़े-बड़े परिवार होते है दादा-दादी, नाना-नानी द्वारा संस्कार

मिलता है, सबके साथ रहना पसंद करते थे। घर को स्वर्ग बनना चाहते है तो रिश्तों का ध्यान रखना होगा। जिस घर मे प्रेम है वो घर मंदिर जैसा लगता है, सभी के साथ हिलमिल के रहना है। घर के सदस्य को समय दे, साथ मे बैठना चाहिए, साथ बैठकर एक-दूसरे की बात सुन सकते है समझ सकते है। परिवार हम सदस्य के साथ मिल - जुलकर साथ रहना है। प्रसाद आरती के लाभार्थी रामदेव महिला मंडल रही। इस कार्यक्रम में चेतन सीरवी, पंकज शर्मा, बाबूलाल गर्जुर, भानाराम गहलोत,राकेश चौहान,राकेश सीरवी एवं महिला मंडल ने सहयोग दिया।

## कांग्रेस की लहार में 09 अगस्त को होगी जंगी सभा

**दैनिक पुष्पांजली टुडे**

प्रशासन द्वारा लहार में कांग्रेस के जंगी सभा के कार्यक्रम की मिली अनुमति भिण्ड । जिला कांग्रेस कमेटी जिलाध्यक्ष मानसिंह कुशवाहा ने जानकारी देते हुए बताया कि जिस स्थान पर कार्यक्रम की अनुमति चाही गई थी उस स्थान पर किसी कारणवश अनुमति नहीं मिल सकी,किंतु 09 अगस्त 2024 को कांग्रेस के विशाल जंगी प्रदर्शन के लिए लहार के नवीन बसस्टैंड टेलीफोन एक्चेंज के पास कार्यक्रम की अनुमति मिल गई है।श्री कुशवाहा ने बताया कि लहार के जंगी प्रदर्शन में हजारों लोग शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम ऐतिहासिक होगा और यहीं से कांग्रेस भाजपा की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ विरोध का शंखनाद करेगी।जिले की लहार विधानसभा क्षेत्र में 09 अगस्त 2024 को कांग्रेस पार्टी का जंगी प्रदर्शन होने जा रहा है,जंगी प्रदर्शन में मुख्य रूप से राष्ट्रीय महासचिव व प्रदेश प्रभारी भंवर जितेंद्र सिंह,पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ,प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी,नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार,पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह (राहुल भैया),पूर्व नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह,पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव,उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे,सांसद विवेक तन्खा,सांसद अशोक यादव,पूर्व मंत्री चौधरी राकेश सिंह चतुर्वेदी,भांडेर विधायक फूलसिंह बरैया,गोहद विधायक केशव देसाई सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल होंगे।लहार के जंगी प्रदर्शन में जिले भर से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता सम्लित होगें।

## राजस्थानी प्रवासी 36 कौम संस्था वसई की नवीन कार्यकारिणी गठित

**दैनिक पुष्पाजंली टुडे**

मुम्बई- जे. एस. बेनक्वेट हॉल वसई में राजस्थानी प्रवासी 36 क़ौम संस्था वसई तालुक़ा की कमेटी का गठन किया गया। जिसमें उपाध्यक्ष पद पर सीरवी समाज से नगाराम (पाटिल )को चुना गया। सहसचिव पद पर मोतीलाल, महामंत्री चेलाराम और सुजाराम एवम् सहलाकार मालाराम को बनाये जाने पर सीरवी नवयुवक मंडल नालासोपारा के अध्यक्ष सोहनलाल वरपा वर्फा ने नवीन कार्यकारिणी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को बहुत बहुत बधाई व शुभकामनाएं दी।

## पर्यावरण विशेषज्ञ एवं राष्ट्रीय युवा पुरुस्कार से सम्मानित

### बारिश का मौसम, पर्यटन और सावधानी

**दिलेर खान भोपाल**

वर्षा ऋतु का मौसम एक ओर तो हरियाली और ताजगी से भरा होता है, वहीं दूसरी ओर इसमें कई समस्याओं और जोखिमों का भी सामना करना पड़ता है। वर्षा ऋतु में हमें कई सावधानियाँ बरतनी चाहिए ताकि हम सुरक्षित और स्वस्थ रह सकें।

**जल जनित बीमारियों से बचाव**-वर्षा के पानी में कई बार गंदगी और बैक्टीरिया मिल जाते हैं, जो जल जनित बीमारियों का कारण बन सकते हैं। इसलिये स्वच्छ पानी का सेवन करें और सुनिश्चित करें कि आप जो पानी पी रहे हैं वह शुद्ध और उबला हुआ हो।

**घर और आसपास की सफाई**-वर्षा के दौरान पानी जमा होने से मच्छर पनप सकते हैं, जो डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों का कारण बनते हैं। इसलिए अपने घर और आसपास के क्षेत्र को साफ और सूखा रखें। पानी जमा होने वाली जगहों पर कीटनाशक का छिड़काव करें।

**खान-पान में सावधानी**-वर्षा ऋतु में पाचन शक्ति कमजोर हो जाती है, इसलिए ताजे और हल्के भोजन का सेवन करें। सड़क किनारे मिलने वाले खाने से बचें और घर के बने पौष्टिक भोजन का ही सेवन करें।

**कपड़ों का चयन**-वर्षा के मौसम में हमेशा सूती

और हल्के कपड़े पहनें, जो जल्दी सूख सकें। बाहर निकलते समय रेनकोट या छतरी का प्रयोग करें ताकि भीगने से बचा जा सके।

**वाहन चलाते समय सतर्कता**-बारिश के दौरान सड़कें फिसलन भरी हो जाती हैं, इसलिए वाहन चलाते समय विशेष सतर्कता बरतें। गति धीमी रखें और ट्रैफिक नियमों का पालन करें।

**बिजली के उपकरणों का प्रयोग**-वर्षा के समय बिजली के उपकरणों का प्रयोग करते समय सावधानी बरतें। भीगे हाथों से कभी भी बिजली के उपकरणों को न छुएं और बिजली के सॉकेट से दूर रहें।

**स्वास्थ्य की देखभाल**-अगर आपको सर्दी, खांसी या बुखार जैसी समस्याएं होती हैं, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें और उचित उपचार लें।

**पौधों की देखभाल**-वर्षा ऋतु में पौधों की देखभाल भी आवश्यक है। उन्हें समय-समय पर उचित पोषण दें और जल जमाव से बचाएं।

## डॉ लोकेश तिवारी की कृति चिंतन सृजन साहित्य के लिए विशिष्ट उपलब्धि सिद्ध होगी- जगदीश तोमर

### डॉ. लोकेश तिवारी की नवीन कृति' चिंतन सृजन' का हुआ लोकार्पण

**महेंद्र शर्मा उप संपादक पुष्पांजलि टुडे**

ग्वालियर। ग्वालियर के युवा कवि एवं साहित्यकार डॉ.लोकेश तिवारी की नवीन कृति ÷चिंतन सृजन÷ का लोकार्पण दिनांक 4अगस्त 2024 को सायं काल 4-30 बजे जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर के गालव सभागार में किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीधर पराड़कर, राष्ट्रीय संगठन मंत्री,अखिल भारतीय साहित्य परिषद ने किया । मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ पत्रकार डॉ .केशव पांडेय ,अध्यक्ष, ÷उद्भव÷ क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक संस्थान रहे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि शिक्षाविद् जगदीश तोमर, पूर्व निदेशक प्रेम चंद सृजन पीठ उज्जैन एवं लखन लाल खरे, पूर्व प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय, करेरा शिवपुरी रहे ।

सारस्वत अतिथि द्वय डॉ .पद्मा शर्मा ,प्राध्यापक महारानी लक्ष्मीबाई महाविद्यालय ग्वालियर एवं डॉ सुखदेव सेंगर,संरक्षक साहित्य परिषद् भिंड रहे । प्रारम्भ में अतिथि परिचय अंशु सिंह भदौरिया ने किया । तत्पश्चात् अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलित कर माल्यार्पण किया गया। सरस्वती वंदना आरती ÷अक्षत÷ ने प्रस्तुत की।ड़ तत्पश्चात् अतिथियों का स्वागत शाल, श्रीफल एवं पुष्पहार से अनंगपाल सिंह भदौरिया, किंकरपाल सिंह जादौन डॉ. सुनील त्रिपाठी निराला

भिंड, राम चरण चिराड़÷ रुचिर÷ एवं हरीओम गौतम व राम दास माहौर आदि ने किया। इस के पश्चात् अतिथियों द्वारा पुस्तक का लोकार्पण किया गया।पुस्तक के संदर्भ में अपनी समीक्षात्मक दृष्टि डालते हुए डॉक्टर सुखदेव सिंह सेंगर ने कहा ,÷साहित्य का सृजन बहुत ही सूझबूझ एवं विविधता के साथ होता है ,इसमें हर शब्द का प्रयोग,प्रभाव एवं शैली आदि महत्वपूर्ण होती है।÷ डॉ लोकेश की पुस्तक में इनका निर्वहन किया गया है। अगले क्रम में डॉक्टर पद्मा शर्मा ने कहा, रचनाकार इष्ट देव की उपासना करता है, तब सकारात्मक का एहसास उसके अंदर सृजन के रूप में होता है। डॉ लोकेश ने अपनी पुस्तक में समस्त विषयों को समाहित करते हुए सृजन को निभाया है। के पश्चात् डॉक्टर लखन लाल खरे ने कहा, डॉ लोकेश की पुस्तक में शिवत्व, शिव की वृत्ति एवं शिव महिमा का समावेश है ,समता का भाव सृजन में प्रयोग किया गया है ।राष्ट्र के लिए सकारात्मक एवं प्रकृति दर्शन आदि परिलक्षित होते है। शिक्षाविद् जगदीश तोमर ने विमोचित कृति पर अपना वक्तव्य देते हुए कहा, कि डॉक्टर लोकेश की कृति साहित्य के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत करेगी ।इनका सृजन उत्कृष्ट है । इस पुस्तक में श्याम सुंदर दास ,आचार्य रामचंद्र शुक्ल एवं महावीर प्रसाद द्विवेदी की झलक मिलती है। अगले क्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए ,डॉक्टर केशव पांडेय ने कहा साहित्य समाज के लिए बहुत ही प्रेरणादायी होना चाहिए । यह सब डॉक्टर लोकेश जी ने अपनी पुस्तक में दर्शाया है।ऐसा ही चिंतन एवं लोक व्यवहार पुस्तक में समाहित होना साहित्यकार की सबसे अच्छी उपलब्धि होगी। मन, क्रम एवं वचन से से जो बड़े होते हैं वही सिद्ध होते हैं। कार्यक्रम के अध्यक्ष के रूप में श्रीधर पराड़कर ने कहा , डॉ लोकेश की पुस्तक ÷चिंतन मनन ÷शीर्षक पर पूर्णत= खरी उतरती है। साहित्यकार स्वयं साहित्य के लिए उत्तरदाई होता है।साहित्य सृजन में इसका विशेष महत्व होता है। उद्बोधन के पश्चात् सभी मानचीन अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए, श्रीधर पराड़कर जी को स्मृति चिन्ह सिटी सेंट्रल स्कूल भिंड के आलोक, लवली शर्मा के द्वारा दिया गया। डॉ केशव पांडे जी को स्मृति चिन्ह सरप हाई स्कूल की प्राचार्य विनीता रानी अत्रि एवं शिक्षक मृदुला गुप्ता द्वारा दिया गया। अन्ना तिथियां को भी स्मृति प्रदान की गए,जिनमें

डॉक्टर कृष्णकांत शर्मा,डॉक्टर सुरेश सम्राट, हरि ओम गौतम, शिवदत्त कटारे , तहसीलदार , किकर पाल सिंह जादौन , डॉक्टर सुखदेव माखीजा , भानु प्रताप तोमर राम प्रकाश अहिरवार, सूर्यभान गुर्जर आदि ने किया। कार्यक्रम का संचालन राम लखन शर्मा ÷अंकित÷ ने किया। इस अवसर पर डॉ मंजू लता आर्य, डॉ कुसुम भदौरिया, डॉ दीप्ति गौड़, उमा उपाध्याय,रामचरण ÷रुचिर÷ , मंजु नरबरिया,डॉ.सुधीर चतुर्वेदी , प्रकाश मिश्र,राजेश अवस्थी लावा, समेश कटारिया , धीरज शर्मा, अवधेश त्रिपाठी, शिवम सिसौदिया,जगमोहन श्रीवास्तव, सरिता चौहान, डॉ मीना प्रसाद, डॉ करुणा सक्सेना , रामलाल साहू बेकस, नयन श्रीवास्तव, सुनील त्रिपाठी निराला ,आदित्य अंशुधर, रवि बघेल,आशा पांडेय, एस एन पांडेय आदि सहित अनेक साहित्यकार एवं भारी संख्या में ग्वालियर में चंबल संभाग के साहित्यकार व गणमान्य जन्म उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी का आभार प्रदर्शन डॉक्टर लोकेश तिवारी ने किया।

**आ गया है मानसून। मतलब खूब सारी बारिश और टर्र-टर्र करते मेंढक, मम्मी के हाथ का बना गर्म सूप और कागज की नाव तैराने का समय। ऊपर से सोने पर सुहागा यह कि स्कूल भी अभी बंद ही हैं, इसलिए तुम्हारे तो वारे-न्यारे हो गए हैं। तुम तो इस मौसम में खूब मस्ती करते हो, ये हमें पता है, पर क्या तुम्हें पता है कि जानवर-पक्षी क्या करते हैं? वो कैसे मजे करते हैं। चलो आज जरा घर से बाहर निकलें और इनकी दुनिया में चलें...**

रेसिंग ट्रैक पर हवा से बातें करती कार दौड़ाने की बात हो या आर्मी द्वारा वार फील्ड में गोलियों की तड़ातड़ बौछार करने वाले मुकाबले की, वीडियो गेम की दुनिया में पलक झपकते ऐसे रोमांचक दृश्य पैदा किए जा सकते हैं। यदि यह कल्पना ज्यादा बेहतरीन और सच के करीब हो तो! इस बार के गेम एक्सपो यानी ई-3 में आपकी इसी ख्वाहिश को पूरा करने की कामयाब कोशिश की गई। इस रोचक मेले में हर बड़ी कंपनी ने नए गेम,नए कंसोल पेश किए। उन्होंने दावा किया कि उनके ये नए उपकरण पुरानी सीमाओं को तोड़ देंगे। यहां हजारों खरीदारों ने शिरकत की। एक से बढ़कर एक वीडियो गेम और इससे जुड़ी टेक्नोलॉजी की प्रदर्शनी लगाई गई। गेम के दीवानों की भीड़ के बीच वीडियो गेम के लेटेस्ट ट्रेंड पर भी चर्चा हुई..।

**एक्सबॉक्स की धूम**

प्लेस्टेशन 4 गेम कंसोल इन दिनों काफी लोकप्रिय हो रहा है। गेम एक्सपो में यह बात देखने को मिली। दरअसल, पीएस 4 गेम कंसोल पहले से कहीं ज्यादा एडवांस है और इसपर कुछ नए और शानदार गेम खेले जा सकते हैं, जैसे-'स्टीमपुक थ्रिलर 'द ऑर्डर: 1986''अनचार्टेड' और 'लिटिल बिग प्लैनेट' की नई किस्त आदि। 'एनट्वीन्ड' और साई फाई एक्सप्लोरेशन गेम 'नो मैंस स्काई' को पीएस 4 पर खेलने का आनंद ही कुछ और है।

इसके बावजूद एक्सबॉक्स के कुछ नए गेम प्लेस्टेशन 4 के मुकाबले ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। उदाहरण के तौर पर 'सनसेट ओवरड्राइव' 'ओरी एंड द ब्लाइंड फॉरेस्ट' और 'हालो', 'फोरजा होराइजॉन' और 'क्रैकडाउन' सीरीज के नए वर्जन को देखते हुए एक्सबॉक्स को लोगों ने सिरआंखों पर बिठाया।

**जलवा निटेंडो का**

जापानी गेम कंपनी निटेंडो अपने फैंस को लुभाने के लिए हमेशा कुछ न कुछ नया करती रहती है। यही वजह है कि गेम एक्सपो में भी लोगों ने निंटेंडो को हाथोंहाथ लिया। इसकी पुरानी लोकप्रियता बरकरार रही। बदले में निंटेंडो ने अपने चाहने वालों को कुछ खास तरह के गेम उपहार में दिए, जैसे- 'लिजेंड ऑफ जेल्डा', 'स्प्लाटून' आदि। इसके अलावा, कैप्टन टोड ट्रेजर ट्रेकर कुछ ऐसे गेम हैं, जिन्हें खेलने का अनुभव पहले से कहीं ज्यादा मजेदार है। इसी तरह, एमीबो लाइन, एक ऐसा गेम है, जो रियल वर्ल्ड के खिलौने मारियो से कनेक्ट करता है और इसे कहीं ज्यादा बेहतरीन बनाता है।

**ऑक्यूलस है बेस्ट**

ई 3 में सबसे अधिक चर्चा हुई उस हेडसेट की, जिसे

### कांग्रेसियों की राजनीतिक दुकान सनातन विरोध और हिन्दुत्व के प्रति घृणा से सजी पड़ी है - भाजपा

# प्रदेश महामंत्री रामजी भारती ने काँवर यात्रियों पर मुख्यमंत्री साय के हाथों हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा किए जाने पर कांग्रेसियों की टिप्पणी को सनातन विरोधी प्रलाप बताकर तीखा हमला बोला

**प्रियंका के स्वागत में 2 किलोमीटर तक 6 हजार किलो गुलाब की पंखुि?यों से सजाकर सामंती चरित्र का शर्मनाक प्रदर्शन करने वाले कांग्रेसियो को काँवर यात्रियों के पुष्पवर्षा से स्वागत और अभिनंदन पर पेट में रह-रहकर मरोड़ उठ रहा है!**

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री रामजी भारती ने काँवर यात्रियों पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा किए जाने पर कांग्रेसियों की टिप्पणी को सनातन विरोधी प्रलाप बताकर तीखा हमला बोला है। श्री भारती ने कहा कि दरअसल कांग्रेसियों की राजनीतिक दुकान सनातन विरोध और हिन्दुत्व के प्रति घृणा से सजी प?ी है और रह-रहकर अपनी इन दुकानों में बैठकर सनातन संस्कृति के खिलाफ विष-वमन करते रहना कांग्रेसियों की लत में शुमार हो गया है। श्री भारती ने कहा कि भूपेश सरकार के राज में इलाज के अभाव में प्रदेश के 39 हजार बच्चों की मौत से कलंकित कांग्रेस आज डायरिया के नाम पर घड़ियाली आँसू बहाकर ओछी राजनीति कर रही है, जबकि प्रदेश की भाजपा सरकार इस बीमारी के प्रसार पर अंकुश लगाने के तमाम उपायों पर पूरी संजीदगी और संवेदनशीलता के साथ काम कर रही है।भाजपा प्रदेश महामंत्री श्री भारती ने कहा कि सनातन के खिलाफ खुद को खड़ा बताने के लिए अब कांग्रेसी कार्ल मार्क्स के धर्म को अफीम बताए जाने तक को जस्टीफाई करने में जरा भी शर्म महसूस नहीं कर रहे हैं। इससे यह भी साफ हो गया है कि वामपंथियों के रचे चक्रव्यूह में फँसी कांग्रेस विचारों से पूरी तरह कंगाल हो चुकी है कि अब वामपंथ के उधार के विचारों की बैसाखी पर अपने राजनीतिक वजूद को बचाने के ये घृणित उपक्रम कांग्रेस की नियति हो चले हैं। श्री भारती ने कहा कि कभी प्रदेश की राजधानी में प्रियंका वाड्रा के स्वागत में 2 किलोमीटर तक की स?क को 6 हजार किलोग्राम गुलाब के फूलों की पंखुड़ियों से कालीन की तरह सजाकर अपने सामंती चरित्र का शर्मनाक प्रदर्शन करने वाले कांग्रेसियो को आज काँवर यात्रियों का पुष्पवर्षा से स्वागत और अभिनंदन करने पर पेट में रह-रहकर मरो? उठ रहा है! यह पाखंड कांग्रेस के सनातन और हिन्दुत्व विरोधी राजनीतिक चरित्र को बेनकाब करने के लिए पर्याप्त है।भाजपा प्रदेश महामंत्री श्री भारती ने कहा कि सनातन और हिन्दुत्व को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियाँ करना ही कांग्रेस का डीएनए है। कांग्रेस कभी संसद में हिन्दुओं को हिंसक, नफरती और झूठा बताती है तो कभी सनातन संस्कृति को लेकर बेसिर-पैर की बातें करती रही है। प्राय- हर मौके पर पूरे देशभर में कांग्रेसियों ने अपनी राजनीतिक दुकानदारी चलाने के लिए हिन्दुत्व और सनातन संस्कृति के प्रति केवल नफरत को बेचने का काम किया है। श्री भारती ने कहा कि न केवल कांग्रेस, बल्कि उसके नेतृत्व वाले इंडी ठगबंधन के सहयोगी दल भी यही कर रहे हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन के बेटे और वहाँ के मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने सनातन संस्कृति को मच्छर से फैलने वाली डेंगू, मलेरिया बताकर उसके नष्ट होने की बात कही थी और खुद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे प्रियंक खड़गे ने उदयनिधि के बयान को सही ठहराया था। कांग्रेस के कर्नाटक से सांसद डी.के. सुरेश ने तो देश विभाजन तक की बात कहकर अपने दुस्साहस का परिचय दे चुके

# जे एस सिंह इंस्टिट्यूट ऑड़ फार्मेसी में मोबाइल / टैबलेट पाकर छात्र छात्राओं के चेहरे खिल उठे

सीतापुर ।मुख्यमंत्री स्मार्ट फोन / टैबलेट वितरण योजना 2021-22 के तहत युवाओं को तकनीकी तौर स्मार्ट बनाने के लिए स्मार्टफोन वितरित किये गये। वितरण कार्यक्रम जे एस सिंह इंस्टिट्यूट ऑड़ फार्मेसी में आयोजित हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ आनन्द सिंह और संस्थान के चेयरमैन अरुण कुमार सिंह ,संस्थान की डायरेक्टर डॉ भूमिका योगी द्वारा 76 छात्र छात्राओं को टैबलेट प्रदान किया गया। अच्छी क्वालिटी के कीमती टैबलेट पाकर छात्र छात्राओं के चेहरे खिल उठे। सभी ने प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री द्वारा युवाओं के तकनीकी तौर से मजबूत करने के लिए टैबलेट वितरित किये जाने की जमकर तारीफ की। इस मौके पर डॉ आनन्द सिंह ने छात्र छात्राओं को कामयाबी के गुर सिखाये। इन स्मार्टफोन को अपने कैरियर को बनाने में सही इस्तेमाल करने की सलाह दी। उन्होंने कहा की आज के डिजिटल युग में अच्छी शिक्षा हासिल करने के लिए इन गैजेटस की बहुत अहमियत है और ड़ास कर कोरोना के बाद से पड़ाई का माध्यम काफी हद तक ऑनलाइन हो गया है। संस्थान की डायरेक्टर डॉ भूमिका योगी ने कहा कि इस योजना से डिजिटल क्रांति का आगाड़ होगा। छात्र छात्राओं को ऑनलाइन शिक्षा प्राप्त करने में आसानी होगी ढ्वॉलेज चेयरमैन अरुण कुमार सिंह ने प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री का धन्यवाद किया। उन्होंने छात्र छात्राओं को साइबर क्राइम से सावधान रहने की हिदायत दी। अपने टैबलेट में डिजी ऐप ड़रूर डाउनलोड करने का मशवरा दिया। इस मौके पर कॉलेज के प्रिंसिपल सूरज मिश्रा, अभिषेक मिश्रा ,शिवम सिंह ,शिवम जायसवाल, मो0 लतीफ , नाजनीन मैम , लवली मैम, रामनिवास, राम सेवक ,संजीव त्रिपाठी ,अमन सिंह ,हरिओम मिश्रा, सूर्य प्रकाश सिंह, सनी सिंह, अंकित द्विवेदी, , शिवेंद्र सिंह ,आदि उपस्थित रहे।

## बालिका जागरूकता बैठक।

मछरेहटा सीतापुरॉबालिका जागरूकता बैठक मछरेहटा रोड स्थित आर. जे.जे.एजूकेशन प्वाइंट बीरमपुर मे थाना मछरेहटा की महिला डेस्क द्वारा एक जागरूकता बैठक का आयोजन किया गया।इस बैठक मे थाना मछरेहटा से एस.आई. फेरू सिंह कॉन्स्टेबल जितेंद्र गंगवार, कीर्ति गुप्ता , मोनिका सिंह ने बालिकाओ को बालिकाओ पर हो रहे अपराधो के बारे चर्चा की। महिला कॉन्स्टेबल सुश्री कीर्ति गुप्ता ने बालिकाओं को उन पर हो रहे अपराधो के विषय मे जानकारी साथ। ही उन्होंने गुड टच और और बैड टच के बारे बताया।उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन उनके साथ है अगर उनके साथ कुछ भी अनुचित घटित होता है चाहे वो मार्ग मे हो ,घर पर हो, विद्यालय मे हो उसकी जानकारी पुलिस को दे सकती है। फेरू सिंह जी ने बालिकाओ को अपने हो रहे अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया। सुश्री कीर्ति गुप्ता ने कुछ विशेष हेल्पलाइन नंबरो 1090,1098,102,108,112 जानकारी की जानकरी बालिकाओ को प्रदान की।इस अवसर पर विद्यालय के संस्थापकश्री जगदीश प्रसाद जयसवाल, प्रबंधक कुलदीप जयसवाल ,प्रधानाचार्या पूनम जयसवाल , उप प्रधानाचार्या अरूणिमा श्रीवास्तव और प्रशासक रूपेश प्रिंस और अन्य अध्यापक अध्यापिकाये उपस्थित थे।


STORME SMART SOLUTIONS

अपने स्वयं की गाड़ी चलाओ पैसे कमाओ

कमायें 5000 रु. प्रति माह

अपनी गाड़ी 300 Km. चलाओ

5000/- प्रतिमाह कमाओ

9908750812, 8602854455, 9244933139

Old Railway Line, Near Sciendia Chauraha, Shatabdi Puram Gwalior, Madhya Pradesh 474020

Website : www.stormesmartsolutions.com

# करिश्मा तन्ना ने अपनी कई तस्वीरें शेयर की

बॉलीवुड अभिनेत्री करिश्मा तन्ना ने मुंबई में मानसून के कारण होने वाली परेशानी के बारे में बात की है। उन्होंने कहा कि इस मौसम के कारण उनके बाल उलझ गए हैं। करिश्मा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह अपने लंबे बालों और बेदाग त्वचा का प्रदर्शन कर रही हैं। सफेद कपड़ों में वह कैमरे की तरफ देखकर मुस्कुराती नजर आ रही हैं। कैप्शन के लिए अभिनेत्री ने लिखा, "घुंघराले बाल, मानसून"। इसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी कई तस्वीरें शेयर कीं। पहली तस्वीर में अभिनेत्री पाउडर ब्लू शर्ट के साथ डेनिम और सफेद स्नीकर्स में नजर आ रही हैं। अगली तस्वीर में वह एक इमारत के सामने पोज देती दिख रही हैं। इस फोटो को देखकर ऐसा लग रहा है कि यह विदेश की है।

आखिरी तस्वीर में उन्हें केक और एक कॉफी कप के साथ देखा जा सकता है। अभिनेत्री ने पोस्टी में इस बात का खुलासा नहीं किया है कि ये तस्वीरें कहां की हैं। करिश्मा ने 2001 में "क्योंकि सास भी कभी बहू थी" शो से टेलीविजन पर डेब्यू किया था। इसके बाद वह "पालखी", "नागिन 3" और "कयामत की रात" जैसे शो में नजर आईं। अपने करियर में अभिनेत्री ने लगभग हर चीज आजमाई है। डेली सोप में काम करने के बाद उन्हें बिग बॉस 8 और फियर फैक्टरः खतरों के खिलाड़ी 10 जैसे रियलिटी शो में देखा गया। इसके बाद उन्होंने बड़े पर्दे पर दोस्तीः फ्रेंड्स फॉरएवर, ग्रैंड मस्ती और संजू जैसी फिल्में कीं।

करिश्मा ने करले तू भी मोहब्बत के साथ ओटीटी स्पेस में भी हाथ आजमाया, लेकिन हंसल मेहता द्वारा निर्देशित 'स्कूप' में उनके काम ने उन्हें स्टारडम दिलाया। मार्च में अभिनेत्री ने कहा था कि स्कूप ने उन्हें जो पहचान दी है, इससे दर्शक उन्हें गंभीरता से लेने लगे हैं। उन्होंने कहा था, 'स्कूप' से पहले भी मुझे लोग जानते थे। मैं काफी समय से इस इंडस्ट्री का हिस्सा रही हूं। मगर इससे मुझे जो पहचान मिली, वह मेरे लिए काफी मायने रखती है। इसके बाद मुझे दर्शकों का ज्योदा प्योर मिला है। मेरे फैस को ऐसा लगता है कि यह मेरे लिए एक अच्छाक बदलाव है। मुझे भी यह बदलाव पसंद आ रहा है।

# फिल्मों में वापसी करेंगे फरदीन खान

बॉलीवुड अभिनेता फरदीन खान फिल्म खेल खेल में के जरिये फिल्मों में वापसी करने जा रहे हैं। फरदीन खान ने 14 साल बाद संजय लीला भंसाली की वेबसीरीज हीरामंडी से वापसी की थी।फरदीन की अब फिल्म 'खेल खेल में' रिलीज होने जा रही है।फरदीन खान ने इंस्टाग्राम पर लिखा, मैं आप सभी के साथ 'खेल खेल में' का ट्रेलर शेयर करते हुए बेहद एक्साइटेड हूं! ये पल मेरे लिए बहुत ही इमोशनल है क्योंकि ये 14 सालों में मेरी पहली थियेट्रिकल रिलीज है। बड़े पर्दे पर वापसी करना पुरानी यादों, उत्साह और कृतज्ञता से भरा एक सफर रहा है।मुदस्सर अजीज (एमए) के साथ इस फिल्म पर काम करना अलग एक्सपीरियंस रहा है।

'दूल्हा मिल गया' फिल्म की बहुत सारी यादें ताजा हो गईं, जो किस्मत से मेरी आखिरी सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म भी थी। एमए के विजन और डेडिकेशन ने इस प्रोजेक्ट को हम सभी के लिए खास बना दिया है। और मैं इसका हिस्सा बनकर खासतौर से भाग्यशाली महसूस करता हूं। फरदीन ने लिखा, फिल्म की पूरी कास्ट और क्रू को, जिनके टैलेंट और जुनून ने इस कहानी को सबसे खूबसूरत तरीके से जीवंत किया है। आप में से हर एक ने फिल्म में एक अलग ही तरह का फील जोड़ी है, जिससे साथ काम करना और भी खुशी की बात हो गई।

मैं फिल्म मेकिंग के दौरान मुझे दिखाए गए गर्मजोशी, प्यार और सम्मान के लिए हमेशा आभारी रहूंगा। आपने मुझे इतने लंबे समय से थियेटर से दूर रहने के बाद भी इतना वेलकमिंग महसूस कराया. धन्यवाद।मेरे परिवार, दोस्तों और फैंस को- सालों से आपका अटूट सपोर्ट मेरी ताकत रहा है। आपके प्यार और प्रेज के बिना ये वापसी संभव नहीं होती। मुझे उम्मीद है कि खेल खेल में आपको पसंद आएगी और आपके दिलों में भी उतनी ही खुशी लाएगी जितनी हमारे दिलों में है। इस सफर में मेरे साथ रहने के लिए धन्यवाद।

# श्रीमद् रामायण अब 12 अगस्त से सोनी सब पर प्रसारित होगा

श्रीमद् रामायण 12 अगस्त से भारत के प्रमुख पारिवारिक मनोरंजन चेनल सोनी सब पर प्रसारित होगा। भगवान राम का रावण के साथ पोराणिक युद्ध का समापन 12 अगस्त को शाम 7.30 बजे सोनी सब पर प्रसारित होने वाला है। इसमें भरपूर एक्शन होने वाला है। इस युद्ध के शुरू होने के साथ सोनी सब अब विशेष रूप से उस अपरिचित कहानी को सामने लाएगा जो इस युद्ध के बाद शुरू होती है। यह दिखाया जाएगा कि भगवान राम और सीता के पुनः एक होने और अयोध्या लौटने के बाद क्या होता है? श्रीमद् रामायण की दिव्य कथा का नया अध्याय- अयोध्या वापसी और उनके जुड़वां बच्चों लव और कुश के जन्म के बाद भगवान राम और सीता के जीवन की खुशियों और चुनौतियों की खोज करता है।

# कमजोर दिल वालों के लिए नहीं है बिग बॉस : शौरी

'बिग बॉस ओटीटी 3' के दर्शकों को सबसे ज्यादा जीत के चांसेस रणवीर शोरी के लग रहे थे। लेकिन हुआ कुछ और ही... सभी फाइनलिस्ट को पछाड़ते हुए सना मकबूल ने खिताब अपने नाम किया। घर से बाहर आने के बाद रणवीर ने शो में अपने सफर पर खुलकर बात की। रणवीर ने कहा, मैं अपनी जर्नी को मेंटली, फिजिकली और इमोशनली तौर पर रोलर कोस्टर राइड कहूंगा। मैंने इससे पहले दूसरे रियलिटी शोज किए हैं, लेकिन ऐसा एक्सपीरियंस पहली बार लिया है। यह कोई आसान काम नहीं है और यह कमजोर दिल वालों के लिए नहीं है। मैं बच गया और मजबूत होकर बाहर आया।

# 57 के हुए विशाल भारद्वाज

अजीब इत्तेफाक है कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के दो जानेमाने कलाकार आज 57 साल के हो गए हैं। इनमें से एक अपने मंझे हुए निर्देशन से फिल्मों और गानों को संवारते हैं तो दूसरे एक्टर और डायरेक्टर हैं और ये बॉलीवुड के भाईजान यानि सलमान खान के भाई अरबाज खान हैं। इसी दिन एक्ट्रेस शमा सिकंदर भी अपना जन्मदिन मनाती हैं। निर्माता-निर्देशक विशाल भारद्वाज आज अपना 57 वां बर्थडे मना रहे हैं। जश्न की झलक फिल्म अभिनेत्री शमा सिंकदर के घर पर भी है। शमा आज अपना 42वां जन्मदिन मना रही हैं। यूपी के बिजनौर के रहने वाले हैं हिन्दी फिल्मों के मशहूर निर्माता विशाल भारद्वाज। उनके पिता चाहते थे कि विशाल संगीत सीखें, पिता की तमन्ना को विशाल ने पूरा किया।

विशाल ने हिन्दी फिल्मों में अपने आगाज से पहले टीवी पर करियर की शुरुआत की। उन्होंने कई टीवी शो में काम किया। पहली बार अपना संगीत फिल्म माचिस में दिया। इस फिल्म के गाने सुपरहिट रहे और विशाल भारद्वाज की गाड़ी हिन्दी फिल्म नगरी में चल पड़ी। विशाल ने इसके बाद फिल्म अभिनेता अजय देवगन, सैफ अली खान जैसे स्टार को लेकर फिल्म ओमकारा बनाई। सात बार उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा गया है। एक और बात विशाल अच्छे क्रिकेटर भी रहे हैं। फिल्मों का रुख करने से पहले क्रिकेटर बनना चाहते थे लेकिन पारिवारिक कारणों से वो सपना टूट गया। लेकिन अच्छी बात ये रही कि विशाल ने

जिस इंडस्ट्री में कदम रखा उसमें मेहनत पूरी लगन से की और आज नतीजा सबके सामने है। बात अरबाज की। मशहूर लेखक सलीम खान के घर जन्मे अरबाज खान को यूं तो एक्टिंग की ओर नहीं जाना था। वह गायक तो कभी क्रिकेटर बनना चाहते थे। लेकिन, किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। उन्होंने कई फिल्में की। कुछ सफल रही तो कुछ असफल। वह कुछ रिएलिटी शो में बतौर जज भी नजर आए। निजी जिंदगी की बात करें तो उन्होंने साल 1998 में मलाइका अरोड़ा के साथ शादी की। मलाइका से उन्हें एक बेटा है। मलाइका से तलाक लेने के बाद दोनों अपने बेटे की परवरिश कर रहे हैं। मलाइका से अलग होने के बाद अरबाज खान ने शूरा खान से शादी कर ली।

शमा सिकंदर इन दिनों फिल्मों या टीवी से ज्यादा सोशल प्लेटफॉर्म पर ज्यादा दिखती हैं। मूल रूप से राजस्थान के मकराना की रहने वाली हैं। सोशल मंच पर उनके फॉलोअर्स की तादाद बहुत बड़ी। उनके एक वीडियो पर लाखों लाइक्स और व्यूज मिलते हैं। आज वह 42वां जन्मदिन मना रही हैं। शमा सिंकदर ने यूं तो टीवी की दुनिया से मनोरंजन उद्योग में जगह बनाई। हिन्दी फिल्मों के अलावा साउथ फिल्मों में भी काम किया। फिल्मों में वो सफलता नहीं मिली जिसकी उनको उम्मीद थी। शमा ने साल 2022 में शादी कर घर बसा लिया।

बहुरंग

## फिल्म रायन ने वर्ल्डवाइड 100 करोड़ का आंकड़ा किया पार

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार धनुष की फिल्म रायन ने वर्ल्डवाइड 100 करोड़ रूपये से अधिक की कमाई कर ली है। धनुष की तमिल एक्शन-ड्रामा 'रायन' 26 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुयी है। फिल्म को क्रिटिक और दर्शकों दोनों का ही प्यार मिल रहा है।फिल्म रायन, धनुष के लिए कई मामलों में खास है। यह उनकी 50वीं फिल्म है और फिल्म को उन्होंने खुद निर्देशित भी किया है। फिल्म रायन, तमिल, तेलुगु और हिंदी में रिलीज की गयी है।

फिल्म रायन को प्रदर्शित हुये नौ दिन हो गये हैं। रायन ने भारतीय बाजार में ग्रास 72 करोड़ से अधिक की कमाई की है, वहीं विदेश भी फिल्म रायन शानदार कमाई कर रही है। रायन ने विदेश में ग्रास 32 करोड़ से अधिक की कमाई कर ली है। इस तरह रायन ने वर्ल्डवाइड ग्रास 104 करोड़ रूपये से अधिक की कमाई कर ली है।इस फिल्म में एक शख्स के बदले की कहानी दिखाई गई है। फिल्म रायन में धनुष के अलावा, प्रकाशराज, संदीप किशन, अपर्णा बालमुरली और दुशारा विजयन जैसे कलाकार भी है। फिल्म रायन में एआर रहमान का म्यूजिक है।

दिलचस्प

## जस्टिन बीबर के घर आएगा नन्हा मेहमान

अमेरिकी पॉपस्टार जस्टिन बीबर और उनकी मॉडल पत्नी हैली ने सोशल मीडिया पर नई तस्वीरें साझा की हैं। इन तस्वीरों में फैंस ने उनके घर बेबी बॉय आने के संकेत खोज लिए हैं और उन्हें बधाइयां दे रहे हैं। जस्टिन ने इंस्टा ग्राम पर एक फोटोशूट की कई तस्वीरें शेयर की हैं। हालांकि, लोगों का ध्यान दो तस्वीरों पर गया, जिसमें कपल एक लाइट के सामने खड़ा नजर आ रहा है, जिस पर नीले रंग की छटा भी है। तस्वीरों में जस्टिन खाकी शॉर्ट्स और फेडोरा के साथ काली शर्ट में बेहद खूबसूरत नजर आ रहे हैं, जबकि उनकी पत्नीस लाल रंग की ड्रेस में गजब की खूबसूरत नजर आ रही हैं।

बधाई संदेशों से कमेंट सेक्शन भरा पड़ा है। हालांकि, कई यूजर्स ने बच्चेब के जेंडर के बारे में भी बात की। एक ने कहा, ₹मुझे लगता है कि यह लड़का होगा। दूसरे ने लिखा, ₹बेकग्राउंड में नीला रंग इसका मतलब है कि यह लड़का होगा। बधाई हो बच्चे भगवान की ओर से उपहार हैं! जीसस दुनिया के भगवान और उद्धारकर्ता हैं! उनसे प्यार करें और उन पर विश्वास करें! दुनिया बहुत दुष्ट है, हमें उसकी ज़रूरत है!

# 'बिग बॉस' में नहीं जाना चाहते अर्जुन बिजलानी

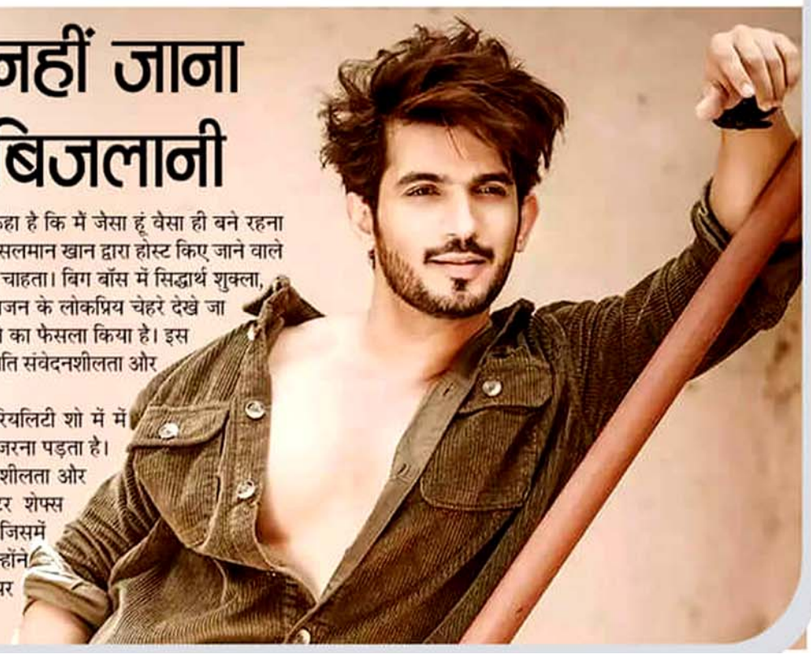

लोकप्रिय टेलीविजन स्टार अर्जुन बिजलानी ने कहा है कि मैं जेसा हूं वेसा ही बने रहना चाहता हूं। इसी वजह से मैं बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान द्वारा होस्ट किए जाने वाले विवादास्पद रियलिटी शो ₹बिग बॉस₹ में भाग नहीं लेना चाहता। बिग बॉस में सिद्धार्थ शुक्ला, अली गोनी, करण कुंद्रा और अंकिता लोखंडे जैसे टेलीविजन के लोकप्रिय चेहरे देखे जा चुके हैं। मगर फिर भी अर्जुन बिजलानी ने इससे दूर रहने का फैसला किया है। इस बारे में उन्होंचने कहा कि इस तरह के शो एक व्यक्ति की अति संवेदनशीलता और नकारात्मकता को सामने लाते हैं।

उन्होंने इसके पीछे के कारण बताए। कहा, जेसा रियलिटी शो में में दिखाया जाता है, आपको यहां विभिन्न परिस्थितियों से गुजरना पड़ता है। यहां विभिन्न तरह की परिस्थितियां आपकी अति संवेदनशीलता और नकारात्मकता को सामने लाती हैं। अर्जुन ने लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट जैसे शो में अपनी जगह बनाई है, जिसमें कॉमेडी और कला का मिश्रण देखने को मिलता है। उन्होंने कहा, मैं इस तरह के शो करना पसंद करता हूं, जहां मैं घर पर जेसा हूं, वेसा ही रह सकता हूं।

# खाद्य विभाग की टीम ने दूध के लिये सेम्पल

ग्वालियर। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा जिले में दूध एवं दूध से बने खाद्य पदार्थों में होने वाली मिलावट को रोकने एवं मिलावटखोरों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही के क्रम में खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच एवं सैंपलिंग की कार्यवाही लगातार जारी है।इसी क्रम में सोमवार को खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा मोहनुपर हाइवे पुल के नीचे मुरार, ग्वालियर पर दूध वाहनों के लिये चैकिंग पाइन्ट लगाकर वाहनों से ला रहे दूध की मोबाइल फूड लैब से मौके पर जाँच की गई। चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला की सहायता से मौके पर ही दूध के सैम्पल चैक किये गये, जिनमें चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला की सहायता से दूध में यूरिया, डिटर्जेन्ट, स्टार्च, न्यूट्रेलाइजर जैसे हानिकारक केमिकलों की जांच की गई। इस मौके पर अक्षय कुमार निवासी तोर हस्तिनापुर एवं बालकिशन गुर्जर निवासी जंगीपुरा के दूध में फैट कम मिलने पर इनके दूध के नमूने लिए, जो फूड लैब भोपाल भेजे जावेंगे। जाँच रिपोर्ट प्रात होने पर अग्रिम कार्यवाही की जायेगी। इसी प्रकार खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा जिले के खाद्य प्रतिष्ठानों के निरीक्षण कर दूध एवं दूध से बने खाद्य पदार्थों के सैम्पल जांच हेतु लिये गये। जाँच के लिए गई टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी बृजेश शिरोमणि, सतीश धाकड और सतीश शर्मा सहित अन्य अधिकारी दृ कर्मचारी शामिल थे।

# कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने इन्वेस्टर मीट के लिये कृषि विश्वविद्यालय परिसर का किया निरीक्षण

ग्वालियर। ग्वालियर में आगामी 28 अगस्त को प्रस्तावित इन्वेस्टर मीट के लिये संभावित आयोजन स्थल कृषि विश्वविद्यालय का कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान एवं पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने सोमवार की शाम को अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। इसके साथ ही उन्होंने आयोजन की व्यवस्थाओं के संबंध में एमपीआरडीसी के अधिकारियों के साथ विस्तार से चर्चा की और उनके द्वारा तैयार किए गए प्रजेण्टेशन को भी देखा।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने कृषि विश्वविद्यालय के परिसर में आयोजन की रूपरेखा को समझा। इसके साथ ही आने वाले अतिथियों एवं औद्योगिक प्रतिनिधियों के वाहन पार्किंग और उनकी सुरक्षा, खानपान आदि के सबंध में भी विस्तार से चर्चा की। सभागार के विभिन्न कक्षों में आयोजित होने वाले समूह चर्चा के संबंध में तैयार किए गए कार्यक्रम के संबंध में भी विस्तार से जानकारी दी। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने ग्वालियर में आयोजित होने वाले इन्वेस्टर मीट के संभावित स्थल के निरीक्षण के पश्चात बताया कि इसकी विस्तृत रिपोर्ट शासन स्तर को भेजी जायेगी, ताकि कार्यक्रम का निर्धारण शासन स्तर से हो सके। पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने भी आयोजन स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था, पार्किंग व्यवस्था और आयोजन दिवस पर शहर की यातायात व्यवस्था के संबंध में विस्तार से चर्चा की। विभागीय अधिकारियों को इसकी सम्पूर्ण तैयारी करने के दिशा-निर्देश भी दिए। इस अवसर पर निगम आयुक्त हर्ष सिंह, सीईओ स्मार्ट सिटी श्रीमती नीतू माथुर, एडीएम टी एन सिंह, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं एमपीआरडीसी के अधिकारी भी उपस्थित थे।

# भितरवार के पास सरपंच सहित दो युवकों पर तेंदुआ ने किया हमला

ग्वालियर। भितरवार विकासखंड के अंतर्गत ग्वालियर व शिवपुरी जिले की सीमा में ग्राम की पहाड़ी के समीप फार्म हाउस पर सोमवार की सुबह शिवपुरी जिले में कांकर निवासी सरपंच पर तेंदुआ ने हमला कर दिया। वहीं दूसरी वारदात ग्वालियर सीमा ख?उआ निवासी एक युवक को तेंदुआ ने घायल कर दिया। दोनों अलग अलग घटनाओं में घायल हुये युवकों को उनके परिजन भितरवार स्थित सामुदायिक अस्पताल लेकर आये। जहां से प्राथमिक उपचार देने के बाद दोनों घायलों को ग्वालियर रैफर कर दिया। वहीं मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने तेंदुआ को खोज निकाला है। वन अधिकारियों की एक टीम को सुरक्षा की दृष्टि से उसकी निगरानी पर लगाया है। घायलों का इलाज कराया गया है। साथ ही मुआवजा राशि भी प्रदान की जायेगी। वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार ग्वालियर शिवपुरी की सीमा पर शिवपुरी जिले के कांकर गांव निवासी राजा भैया पुत्र जगदीश गुर्जर उम्र 34 सरपंच है और वह ग्राम पहाड़ी के समीप अपने फार्म हाउस में है। परिवार के साथ रहते है। सोमवार की सुबी करीब आठ बजे पहा?ी के नजदीक है। उन पर एक तेंदुआ ने हमला कर दिया। जिससे वह गंभीर घायल हो गये। परिजन उन्हें इलाज के लिये अस्पताल लेकर पहुंचे तो वही खडउआ और मोहनगढ़ गांव के बीच पढ़ने वाले गांव चरौली में कृषि कार्य करने के लिये पहुंचे खड़उआ निवासी संजय रावत पुत्र रामहेत रावत उम्र 30 पर उस समय तेंदुआ ने हमला कर दिया जब वह यूकेलिपटस पेड़ पर चड़कर देखने का प्रयास कर रहा था। तेंदुआ ने संजय रावत की पीठ पर पंजे गाड़ दिये। जिससे पूरी पीठ लहुलूहान हो गई। हालांकि गहरे घाव नहीं है इसलिये प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के डाक्टरों ने प्राथमिक उपचार कर छुटटी दे दी। वहीं घटना की जानकारी लगते ही पूर्व मंडी अध्यक्ष एवं वर्तमान जिला पंचायत सदस्य जितेन्द्र सिंह रावत घायल युवक संजय का हालचाल जानने के लिये खड़उआ गांव पहुंचे।

# मंडल रेल प्रबंधक ने उत्कृष्ट कार्य करने पर कर्मचारी को किया सम्मानित

मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार सिन्हा द्वारा मुख्य कार्यालय अधीक्षक प्रवीन बंसल को उनके द्वारा उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने पर प्रशस्ति पत्र सहित नगद पुरस्कार से सम्मानित किया गया उल्लेखनीय है की श्री बंसल द्वारा पिछले वित्तीय वर्ष में पूर्ण दक्षता से कार्य करते हुए 50 से अधिक सेवानिवृत कर्मचारियो को स्कीम के लाभ से सम्बंधित जानकारी प्रदान कर उनको तथा उनके परिवार को जागरूक किया व सभी से 15 लाख से अधिक राशी रेल राजस्व में जमा कराते हुए, सभी को कार्ड बनाकर प्रदान किये। मंडल रेल प्रबंधक ने पूर्ण दक्षता से कर्तव्य निर्वाहन हेतु श्री बंसल को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

# सैलानियों ने किए टाइगर के तीन शावकों के दीदार

**ग्वालियर**. गांधी प्राणी उद्यान चिड़ियाघर में टाइगर के तीन शावकों को आज सोमवार को महापौर डॉ. शोभा सतीश सिंह सिकरवार, सभापति मनोज सिंह तोमर, नेता प्रतिपक्ष हरिपाल, उपनेता सत्तापक्ष मंगल भैया योगेन्द्र, उपनेता विपक्ष रवि तोमर, एमआईसी श्रीमती मोनिका मनीश शर्मा, पार्षद अनिल सांखला, श्रीमती अपर्णा पाटिल, अंकित कठुल एवं निगम आयुक्त हर्ष सिंह की उपस्थिति में आम सैलानियों के प्रदर्शन हेतु बाहर निकाला गया। टाइगर के छोटे-छोटे शावक देखकर बच्चे खुशी से उछ्ल पडे। इस अवसर पर महापौर डॉ शोभा सिकरवार ने सभी बच्चों एवं उपस्थित नागरिकों को टॉफियां बांट कर मुंह मीठा कराया। उपायुक्त चि?याघर डॉ प्रदीप श्रीवास्तव ने बताया कि विगत दिनांक 28-6-24 को मादा टाइगर दुर्गा ने गांधी प्राणी उद्यान में दो मादा व एक नर कुल तीन शावको को जन्म दिया था। जिनमें से दो शावक पीले एवं एक सफेद है। वर्तमान में तीनों शावक स्वस्थ्य हैं एवं आइसोलेशन की अवधि भी लगभग पूर्ण कर ली है। इसके दृष्टिगत रखते हुए अब प्रतिदिन चिडियाघर घूमने आने वाले सैलानियों के लिए दीदार का समय दोपहर 11 बजे से 01 बजे तक निर्धारित किया गया है। इस दौरान इस अवसर पर उपायुक्त डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव, नोडल अधिकारी डॉ. उपेन्द्र यादव, जू क्यूरेटर गौरव परिहार एवं बडी संख्या में सैलानी उपस्थि रहे।

**मादा टाइगर मीरा ने दिया तीन शावकों जन्म**-गांधी प्राणी उद्यान में मादा टाईगर मीरा (सफेद टाईगर) द्वारा दिनांक 4 अगस्त की रात्रि 9 बजे 3 शावकों को जन्म दिया गया है। जिनमें से दो शावक सफेद एंव एक पीला है। चिडियाघर में अब कुल 12 टाईगर संरक्षित है। जिसमें से 5 सफेद एवं 7 रॉयल बंगाल टाइगर हैं।

# प्रदेश संगठन मंत्री भदौरिया के प्रथम नगर आगमन पर हुआ सम्मान

म प्र राज्य कर्मचारी संघ के गतदिवस हुए 18वे त्रिवार्षिक अधिवेशन में ग्वालियर से जुझारू, संघर्षशील कर्मचारी नेता श्री सुरेंद्र सिंह भदौरिया प्रदेश संगठन मंत्री के दायित्व पर नवनिर्वाचित हुए प्रदेश अध्यक्ष हेमंत श्रीवास्तव, कार्यकारी अध्यक्ष अनिल एडमिन, महामंत्री जितेंद सिंह एवं कोषाध्यक्ष पर के बी मेवाड़ी निर्वाचित हुए आज श्री भदौरिया के प्रथम नगर आगमन पर ग्वालियर के कर्मचारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।स्वागत करने वालों में बी ए सी में देवेंद्र दुबे,लाखन सिंह राणा, अनुपमा सुनेजा, अशोक बाबू पाल,सी ए सी में सुनील आर्य,संजीव बांदिल, चंद्रेश पचौरी, हरिबाबू शिवहरे,एम टी में ऋतु भार्गव,धनप्रकास शर्मा, सरिता अग्निहोत्री, अंजूचतुर्वेदी,धर्मेन्द्र सिकरवार, मातादीन कोरी, श्यामबाबू गुप्ता, विमला मिश्रा, गोपाल बाबू मिश्रा, शहनाड़ नकवी, संध्या सहदेव, शशिकांत यादव,संभागीय उपाध्यक्ष राजेन्द्र शर्मा,प्रीतम गोयल, शंकर सिंह,सुजीत जैन, प्रताप माहौरजिला सचिव दिलीप, श्रीवास्तव, हेतराम शर्मा,शिक्षा प्रकोष्ठ अध्यक्ष प्रदीप शर्मा,देवेन्द्र भारती, राजवीर प्रजापति, नवल प्रजापति,भीकम सिंह सहित सैकड़ों कर्मचारी उपस्थित थे सभी ने भारतीय मजदूर संघ के पदाधिकारियों का बहुत बहुत आभार व्यक्त किया।

# सीएम हैल्पलाइन के प्रकरणों का अधिकारी प्राथमिकता से करें निराकरण: कलेक्टर

ग्वालियर। सीएम हैल्पलाइन में दर्ज प्रकरणों का निराकरण अधिकारी पूरी गंभीरता के साथ करें। जिन विभागों के पास सीएम हैल्पलाइन में 50 से कम शिकायतें दर्ज हैं वह एक सप्ताह में शत प्रतिशत शिकायतों का निराकरण संतुष्टिपूर्वक करें। की गई कार्रवाई से शिकायतकर्ता को भी अवगत कराया जाए। इसके साथ ही लोक सेवा गारंटी में निर्धारित समय पर सेवाएं न देने वाले अधिकारियों से अर्थदण्ड की वसूली की जाए। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने सोमवार को अंतरविभागीय समन्वय बैठक में सीएम हैल्पलाइन की समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिए हैं।

अंतरविभागीय समन्वय समिति की बैठक में कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों से कहा है कि बरसात के मौसम को देखते हुए ऐसे नदी-नाले एवं रपटे जहां पर बरसात का पानी स?कों पर आता है वहाँ पर सुरक्षा की दृष्टि से जालियां एवं सूचना बोर्ड अनिवार्यतरू लगाए जाएं, ताकि किसी प्रकार की कोई घटना न हो। उन्होंने यह भी निर्देशित किया है कि सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अपने-अपने क्षेत्र में बा? नियंत्रण के लिये गठित दल को 24 घंटे चैकन्ना रखें। कहीं पर भी अप्रिय घटना की सूचना मिलने पर तत्परता से कार्रवाई की जाए। कलेक्टर श्रीमती चैहान ने विभागीय अधिकारियों को कहा है कि प्रशासन द्वारा एक पे? माँ के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण के जो लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं उसको समय रहते पूर्ण करें। वृक्षारोपण के उपरांत वायुदूत एप पर फोटो अपलोड करने का काम भी किया जाए। उन्होंने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को यह भी निर्देशित किया है कि जिन शासकीय विद्यालयों में अस्थायी अतिक्रमण है उन्हें हटाने की कार्रवाई तत्परता से की जाए। खाद्यान्न पर्ची के सत्यापन का कार्य 10 अगस्त तक किया जाना है। सभी संबंधित अधिकारी इस पर विशेष ध्यान दें। ग्वालियर में साइंस कॉलेज परिसर में 9 अगस्त को आयोजित होने वाले रोजगार मेले की व्यवस्थाओं के संबंध में भी विस्तार से समीक्षा की गई। उन्होंने कहा कि रोजगार मेले में आने वाले युवक-युवतियों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। इसके साथ ही विभिन्न कंपनियों के जो प्रतिनिधि रोजगार मेले में आ रहे हैं उनके लिये भी सभी व्यवस्थायें अच्छे से हों। रोजगार मेले के संबंध में विभिन्न विभागों को सौंपे गए दायित्वों का समय रहते निर्वहन करें।

# केन्द्रीय मंत्रियों के नाम पर ठगी करने वाला शातिर ठग पकड़ा

ग्वालियर। केन्द्रीय मंत्री एवं उनके निज स्टाफ के नाम पर विभिन्न विभागों में स्थानांतरण कराने के नाम पर ठगी करने वाले एक ठग को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। ठगी का आरोपी धार्मिक वेशभूषा में राजनेताओं और प्रभावशाली व्यक्तियों से मिलकर उनके साथ फोटो खिंचवाकर अपनी फेसबुक आईडी पर पोस्ट कर लोगों को ठगता था। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर उसका मोबाइल जब्त कर उससे पूछताछ शुरू कर दी है। आईजी ग्वालियर रेंज अरविंद सक्सैना ने बताया कि केन्द्रीय मंत्री एवं उनके निज स्टाफ के नाम पर विभिन्न विभागों में स्थानांतरण कराने के नाम पर रूपये ऐंठकर ठगी करने वाले शातिर ठग पुष्पेन्द्र दीक्षित (शर्मा) पुत्र प्रमोद शर्मा निवासी ग्राम ऊदलपा?ा पोस्ट चिरपुरा तहसील डबरा को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि पुलिस की गिरफ्त में आया ठग भारत सरकार के मंत्रीगण एवं जनप्रतिनिधिगण तथा उनके निज सचिव के रूप में स्वयं की पहचान बताकर पुलिस विभाग एवं अन्य विभागों में पदस्थ कर्मचारियों के स्थानान्तरण के नाम पर जाली दस्तावेज बनाकर दूसरों के नाम पर ली गई सिम के माध्यम से स्थानान्तरण हेतु संदेश प्रेषित करता था। पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने बताया कि उन्हें जरिये मुखबिर सूचना मिली थी कि भारत सरकार के मंत्रियों और जनप्रतिनिधियों के नाम पर ठगी करने वाला ठग पुष्पेन्द्र दीक्षित (शर्मा) ग्राम ऊदलपाड़ा चिरपुरा तहसील डबरा आया हुआ है। सूचना मिलते ही उन्होंने पुलिस की टीम को ठग को पक?ने के निर्देश दिये। पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर शातिर ठग पुष्पेन्द्र दीक्षित को धर दबोचा। पुलिस पूछताछ में पता चला है कि पुलिस की गिरफ्त में आये ठग पुष्पेन्द्र ने पुलिस महानिदेशक, विशेष पुलिस महानिदेशक (प्रशासन) मध्य प्रदेश को केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के निजी सचिव जयकिशन बनकर कूटरचित दस्तावेज के आधार पर सिम लेकर पुलिस निरीक्षक विनय यादव जिनकी पदस्थापना जिला शिवपुरी से जिला भिण्ड, पंकज त्यागी की पदस्थापना जिला गुना से जिला ग्वालियर करने के मैसेज भेजे थे और फिर केन्द्रीय मंत्री का हवाला देकर स्वयं को उनका निज सचिव बताकर इन दोनों निरीक्षकों के स्थानान्तरण की स्थिति भी पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों से पूछी थी। पुलिस को जांच के दौरान पता चला कि पुलिस की गिरफ्त में आया शातिर ठग पुष्पेन्द्र धार्मिक वेशभूषा में रहकर बड़े-बड़े प्रभावी व्यक्तित्व से मिलकर उनके साथ फोटो खिंचवाकर अपनी फेसबुक आईडी पर पोस्ट करके लोगों को प्रभावित कर ठगता था। पुलिस को जांच के दौरान पता चला कि पुष्पेन्द्र ने दिसम्बर 2016 में तत्कालीन केन्द्रीय विदेश मंत्री विदेश मंत्रालय के कार्यालय के माध्यम से अर्द्धशासकीय पत्र प्रेषित कर महानिदेशक, सीमा सुरक्षा बल कार्यालय नई दिल्ली के बीएसएफ के कर्मचारियों के स्थानान्तरण हेतु कूटरचित पत्र प्रेषित किया गया था, जो कूटरचित होना पाया जाने पर दक्षिण दिल्ली के लोधी कॉलोनी थाना पुलिस स्टेशन पर मामला दर्ज किया गया था।

**पुलिस निरीक्षक हुये निलंबित**-ठग पुष्पेन्द्र के गिरफ्तार होने के बाद उससे पूछताछ के बाद निरीक्षक विनय यादव वर्तमान थाना प्रभारी बैराड़ जिला शिवपुरी एवं निरीक्षक पंकज त्यागी वर्तमान थाना प्रभारी जामनेर जिला गुना को निलंबित किया गया हैं। दोनों ही निरीक्षकों ने अपने स्थानांतरण के लिये ठग पुष्पेन्द्र से संपर्क किया था और अपने मनचाहे स्थानान्तरण के लिये अनुशंसा कराकर अपराध किया था। दोनों ही निरीक्षकों को निलंबन के बाद पुलिस लाइन शिवपुरी, गुना भेजा गया है।

# क्षेत्र का विकास व प्रगति मेरा लक्ष्य:डॉ. सिकरवार



ग्वालियर। क्षेत्र का विकास व प्रगति मेरा लक्ष्य है और जन आकांक्षाओं को दृष्टि रखते हुये विकास कार्यों को गति देने का काम किया जा रहा है यह विचार आज 16 ग्वालियर पूर्व से कांग्रेस विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने वार्ड क्रमांक 28 के आनंद नगर बजरिया एवं कुबेर आश्रम न्यू इंदिरा नगर की विभिन्न गलियों में बनने वाली सड़क निर्माण के भूमिपूजन कार्यक्रम में आमजनों के बीच व्यक्त किये। विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने एम.आई.सी सदस्य एवं क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती गायत्री सुधीर मण्डेलिया के साथ भूमिपूजन किया। भूमिपूजन कार्यक्रम में क्षेत्रीय नागरिको द्वारा विधायक डॉ. सिकरवार का पुष?पहार पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुये विधायक डॉ. सिकरवार ने कहा कि लम्बे समय से इस क्षेत्र के नागरिक स?क निर्माण की मांग कर रहे थे। जनता की मांग को देखते हुये आज स?क निर्माण के लिये भूमिपूजन किया गया है, हम क्षेत्र के समग्र विकास के लिये कृत संक्लपित है और इस दिशा में जन भावनाओं के अनुरूप काम को तेजी से गति दे रहे है। क्षेत्र में आम आदमी को शुद्ध पेयजल मिले, स्वच्छता रहे, इस पर हम तत्परता से काम कर रहे है और हम इन कार्यो पर नजर बनाये रखते है। इस मौके पर ब्लॉक अध्यक्ष देवेन्द्र चौहान, रामअवतार जाटव, लालता प्रसाद मिश्रा, सुधीर मण्डेलिया, गोपाल चौधरी, रमेश झा, रामबीर गुर्जर, सुरेश वाजपेयी, पंचम सिंह भदौरिया, राजवीर सिंह सिसौदिया, प्रीति शर्मा, अनिल किरार, रवि रमन, देवानंद ऐसवार, मनोज वर्मा, असलम खान आदि मौजूद रहे।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478